डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 10 > अंक : 13 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

जैसी दृष्टि होती है वैसी सृष्टि नज़र आती है। शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, गुरुवार, 14 सितम्बर 2023

लोकार्पण समारोह: रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग हुए चंबल के घाट

रिवर फ्रंट का दिलक़श नज़ारा देख हर कोई हुआ रोमांचित

हिलव्यू समाचार

कोटा। कोचिंग सिटी के नाम से विख्यात कोटा को अब एक और नई पहचान मिल गई है। मंगलवार को कोटा रिवरफ्रंट के लोकार्पण और उद्घाटन समारोह के दौरान कोटा को मिली इस सौगात की खुशी हर चेहरे पर झलक रही थी। चंबल नदी के दोनों किनारों पर करीब छह किलोमीटर में विकसित किया गया रिवर फ्रंट का दिलकश नजारा देखकर कर कोई रोमांचित हो उठा।

अधिकारियों की मानें तो यह एकमात्र ऐसा रिवर फ्रंट है, जहां सभी देशों के मॉडल बनाए गए हैं। खास बात यह है कि जिस देश का मॉडल होगा, वहां के खास जायके का स्वाद भी पर्यटकों का यहां मिल सकेगा। यहां विश्व का सबसे बड़ा घंटा लगा गया है, जिसकी गूंज आठ किलोमीटर दूर तक सुनाई देगी। राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को इसका उदघाटन किया गया।

इस दौरान एक तरफ जहां सरकार के मंत्री विधायक, प्रशासन व पुलिस के आलाअधिकारी यहां मौजूद रहे। उदघाटन समारोह के मुददे नजर यहां चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। वहीं रिवर फ्रंट को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया, जिससे रात के समय यहां का नजारा अद्भुद नजर आया। यहां 30 गोल्फ कार्ट लगाई गई। सुरक्षा के लिए रिवर फ्रंट के दोनों किनारों पर 189 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड को मिलाकर 400 लोग यहां तैनात किए गए हैं।

पं. नेहरू का 25 टन वजनी मुखौटा

चंबल रिवर फ्रंट पर पं. जवाहर लाल नेहरू का सबसे बड़ा फेस मास्क बनाया गया है। इसके निर्माण में गन मैटल से का इस्तेमाल किया गया है। यहां मुखौटा 25 टन वजनी है। पर्यटक मुखौटे की आंख में से रिवर फ्रंट देख सकेंगे। इसकी ऊंचाई 6.5 मीटर, लंबाई 10.5 मीटर और चौड़ाई 4.5 मीटर है। ओडिशा के 200 कारीगरों ने इसे 6 महीने में तराशा है।

प्रवेश के लिए तीन जगह एंट्री पॉइंट

चंबल रिवर फ्रंट पर करीब करीब 22 घाट बनाए गए हैं। इसमें प्रत्येक घाट की अपनी अलग खासीयत है। वहीं प्रवेश के लिए तीन जगहों पर एंट्री पॉइंट बनाए गए हैं। यहां दुबई की तर्ज पर फाउंटेन लगाए गए हैं, जहां हर शाम म्यूजिकल शो होगा। रिवर फ्रंट में एक बार में करीब 15 हज़ार लोग घूमने आ सकते हैं।

सबसे ऊंची चंबल माता की प्रतिमा

रिवर फ्रंट के बैराज गार्डन में देश की पहली सबसे ऊंची चंबल माता की मूर्ति लगाई गई है। ऊंचाई 42 मीटर है। इसे 20 मीटर पैडस्डल पर लगाया है। वियतनाम मार्बल से जयपुर में बनी इस प्रतिमा का वजन 20,800 क्विंटल है। इसे 1500 पीस में यहां लाया गया। चंबल माता की इस प्रतिमा से 1 घंटे में 7 लाख लीटर पानी चंबल में गिरेगा। वहीं नयापुरा गार्डन में खूबसूरत बावड़ी और गार्डन बनाया गया है। ये रिवर फ्रंट का एंट्री पॉइंट है और पास में ही यहां पार्किंग विकसित की गई है।

हर घाट की अपनी अलग पहचान

- **शौर्य घाट:** रिवर फ्रंट पर बनाया गया शौर्य घाट पर शाम को शौर्य बैंड की ओर प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें देश के वीर शहीदों को याद किया जाएगा।
- **सिंह घाट:** यहां मार्बल से बने 9 शेरों को लगाया गया है। वजन 35 टन, ऊंचाई 15 फीट, लंबाई 11 फीट और चौड़ाई 6 फीट है।
- **उत्सव घाट:** इसमें बैंक्वेट हॉल, खूबसूरत छतरियां, केस केड और स्टार फाउंटेन बनाए गए हैं।
- **साहित्य घाट:** साहित्य घाट में बांसवाड़ा मार्बल से खूबसूरत विशाल खुली किताब और पुस्तक महल का निर्माण किया गया है।
- **रंगमंच घाट:** इसमें एम्फीथियेटर में ग्रीन रूम का निर्माण किया गया है। घाटों को पियानो के की-बोर्ड की तरह बनाया गया है।
- **फव्वारा घाट:** इसमें खूबसूरत लगून मय सीढ़ियों का निर्माण किया गया है। यहां दुबई में बने लिनियर फांउटेन है, जहां फाउंटेन शो होगा।
- **कनक महल:** इसमें 6 टावर बनाए गए हैं। यहां वाटर पार्क और रेस्टोरेंट बनाया गया है।
- **छोटी-बड़ी:** समाधि और दशावतार: छोटी समाधि में अरोमा गार्डन और फाउंटेन लगाया गया है। बड़ी समाधि में वृंदावन (तुलसी वन) व भगवान विष्णु के दशावतार है।
- **महात्मा गांधी सेतु:** रामपुर घाट पर पर्यटकों के आने-जाने के लिए महात्मा गांधी सेतु का निर्माण किया गया है।
- **हाड़ौती घाट:** फसाड में हाड़ौती की समृद्ध वास्तुशिल्प को अंकित किया गया है।
- **विश्व मैत्री घाट:** इस घाट पर विशाल बैंक्विट हॉल का निर्माण किया गया है। यह वन वर्ल्ड वन ड्रीम और भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आधारित है।
- **जंतर-मंतर घाट:** इस घाट पर ZO-DIAC टावर का निर्माण किया गया है। इसमें 12 राशि चक्र को दर्शाया गया है। यहां आने वाले टूरिस्ट अपनी राशि के अनुसार भविष्य भी जान सकेंगे।
- **मरू घाट:** इस घाट पर गनमेटल की ऊंटों की छह प्रतिमाएं लगाई गई हैं। घाट और फसाड वॉल के बीच जमीन पर टेंट सिटी विकसित किया जा रहा है।
- **मुकुट महल:** इसमें रिवर फ्रंट का मॉडल संग्रहालय बनाया गया है। इसके साथ यहां व्यू पॉइंट का निर्माण किया गया है।
- **गीता घाट:** गीता घाट में वियतनाम मार्बल की पट्टिका में गीता के संपूर्ण 18 अध्याय के श्लोक लिखे गए हैं।
- **शांति घाट:** इस घाट पर योग मुद्रा में इन्विजिबल स्कलप्चर लगाया गया है। इसमें मानव शरीर के सातों चक्रों को दर्शाया गया है।
- **वैदिक घाट:** इस घाट पर पंच तत्वों का आभास करते हुए बाडोली शैली में पांच मंदिरों का निर्माण ।
- **रोशन घाट:** इस घाट में इस्लामिक वास्तुकला को दर्शाया गया है। इसके बीच में जन्नती दरवाजे का निर्माण किया गया है और जलती हुई 9 मशालें बनाई गई हैं।
- **राजपूताना घाट:** इस में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे मेवाड़, मारवाड़, ढूंढाड़, वागड़, हाड़ौती क्षेत्र की विभिन्न इमारत के मॉडल बनाए गए हैं। जैसे पोद्दार हवेली, जग मंदिर, जगनिवास, गणगौरी घाट, हवामहल, गणेश पोल, सरगासूली, ब्रह्मा मंदिर, पटवा हवेली का निर्माण किया गया है।

गहलोत का केंद्र पर प्रहार

विपक्षी दलों के गठबंधन से घबराए मोदी व शाह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से विपक्षी पार्टियों का गठबंधन 'इंडिया' बना है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बोली बदल गई है। साथ ही, भाषणों में गृह मंत्री की भी बोली बदल गई है। केन्द्रीय मंत्रियों और नेताओं का जो बोलने का तरीका है, उनकी बॉडी लैंग्वेज बदल गई है। विपक्षी दलों का गठबंधन बनने से वे इतना घबरा गए हैं कि उनकी बोली बदल गई है और अब वे 'इंडिया-भारत' के नाम पर नया विवाद खड़ा कर रहे हैं।

भीलवाड़ा में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने केंद्र सरकार द्वारा बिना एजेंडा घोषित किए संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने को खतरनाक करार दिया। गहलोत ने कहा कि यह खतरनाक बात है कि केंद्र सरकार ने संसद सत्र बुलाया है, लेकिन उसका एजेंडा पता नहीं है। संसद का अधिवेशन बुला लिया, कोई दिक्कत नहीं है। सोनिया गांधी कह रही हैं कि यह तो बताओ, आपने किसी को पूछा नहीं और अधिवेशन बुला लिया, साथ में एजेंडा क्या है, किसी को बता नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप अगर यह बताएंगे नहीं कि एजेंडा क्या है। ऐसे में आपकी मंशा क्या है? मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा देश में खतरनाक खेल खेल रही है और दोहराया कि लोकतंत्र खतरे में है और संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन हालात को लेकर पूरे देश का बुद्धिजीवी, पत्रकार, साहित्यकार, लेखक अधिकांश लोग चिंतित हैं।

अपनी बात कहने वाला देशद्रोही!

सीएम गहलोत ने आरोप लगाया कि देश में अगर आप अपनी बात कह दो, तो आप देशद्रोही हो। क्या हो रहा है देश के अंदर? ईडी, आयकर, सीबीआई राज कर रही है। न्यायपालिका पर दबाव है। ऐसा खतरनाक खेल मैंने कभी नहीं देखा। पूरा देश चिंतित है। अगर देश को बचाना है तो सबको आगे आना पड़ेगा।

निमंत्रण में नाम बदलने वाले कुछ भी कर सकते हैं

गहलोत ने कहा कि जी-20 के भोज के निमंत्रण पर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' को बदलकर 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' कर दिया गया। वे 'राष्ट्रपति ऑफ हिंदुस्तान' लिख सकते थे। वे कुछ भी कर सकते हैं। वे देश में बहुत खतरनाक खेल खेल रहे हैं।

आपातकाल का सोच समझकर हुआ फैसला

कांग्रेस के केंद्र में सत्तारूढ़ होने के समय बार 'तानाशाही' किए जाने के आरोपों पर गहलोत ने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ। इमरजेंसी लगी थी। एक कॉन्शियस फैसला हुआ था। सोच समझ कर इंदिरा जी ने फैसला किया। गहलोत ने कहा कि केंद्र में राजग की सरकार बनने के एक साल बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कहा था कि देश में अघोषित आपातकाल का माहौल है। इसके बाद वो पीछे हट गए, यह अलग बात है। आरएसएस के दबाव में पीछे हट गए। उनका खुद का (आडवाणी) का जो बयान आया था, वो खतरनाक था एक संकेत था, वो ही आप नौ साल से देख रहे हो।

भाजपा की परिवर्तन यात्राओं में बुलडोजर से भ्रष्टाचारियों और माफ़ियों पर सख़्ती का संदेश दे रही भाजपा

BJP सत्ता में आई तो माफ़िया पर चलेगा बुलडोजर: पंचारिया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा की ओर से प्रदेश में निकाली जा रही परिवर्तन यात्राओं में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच अलग-अलग तस्वीर नजर आ रही हैं। जगह-जगह यात्रा का बुलडोजर पर बैठकर लोग स्वागत कर रहे हैं तो कोई नेता ट्रैक्टर लेकर तो कोई उंट पर बैठकर यात्रा में पहुंच रहा हैं। दो सितंबर से प्रदेश में कांग्रेस की विफलताओं को गिनाने के लिए भाजपा की ओर से शुरू हुई परिवतर्न यात्राएं चारों दिशाओं से निकल रही हैं। इस यात्रा में दर्जनों जगह ऐसा नजारा दिखाई दिया कि कई बुलडोजर खड़े करके यात्रा के रथ पर फूलों की बारिश कराई जा रही हैं। परिवर्तन यात्रा के संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि यात्राओं में जिस तरह से जनता का अपार समर्थन मिल रहा है, वो यह बताने के लिए काफी है कि इस आतताई कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ने के लिए लोग आतुर हैं।

बुलडोजर से हो रहे स्वागत पर कहा कि बुलडोजर आतताई के विध्वंस का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आते ही सबसे पहले अपराधियों और माफियाओं के खत्मे के लिए बुलडोजर चलाया जाएगा।

पीओके अपने आप भारत में आएगा: वीके सिंह

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान सोमवार को सभा को संबोधित करने केंद्रीय मंत्री वीके सिंह पहुंचे। उन्होंने कहा कि पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) अपने आप भारत के अंदर आएगा, थोड़ा इंतजार कीजिए। दरअसल जनरल वीके सिंह ने पीओक के शिया मुस्लिमों की ओर से भारत का रास्ता खोलने की मांग को लेकर सवाल पर यह जवाब दिया। वहीं केंद्रीय मंत्री ने प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी का स्टेटमेंट पढ़कर मुझे लगा कि वे अभी बचकाना ज्यादा हैं। कोई भी व्यक्ति अपने देश के लिए अच्छा भाव मन में नहीं रखता तो फिर उसके लिए कुछ नहीं कहा जा सकता। भाजपा सीएम फेस घोषित नहीं करती। बल्कि प्रधानमंत्री के चेहरे पर ही चुनाव लड़ती है।

दौसा में भाजपा की परिवर्तन यात्रा का विरोध: दौसा जिले में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के विरोध का मामला सामने आया है। परिवर्तन यात्रा सोमवार को जब दौसा के नांगल टोल प्लाजा के पास पहुंची तो कुछ युवकों ने काले झंडे लहराए। विरोधी युवकों ने काले झंडे दिखाने के साथ ही दौसा सांसद जसकौर मीणा की गाड़ी को भी रोकने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस के मोर्चा संभालते ही विरोध करने वाले युवक मौके से भाग गए।

समाज के हित में किसी भी सामाजिक, सार्वजनिक मुद्दे पर संपर्क करें - 7976561127

सम्पादकीय

जी-20 घोषणाओं पर चीन का नजरिया रचनात्मक

भारत के नजरिये से निश्चित रूप से जी-20 शिखर बैठक बेहद सफल रही है, लेकिन चीन के नजरिये से भी इसे कामयाब करार देना संतुलित भारतीय कूटनीति की जीत है। चीन ने सोमवार को कहा है कि जी-20 के नई दिल्ली घोषणापत्र ने एक 'सकारात्मक' संकेत दिया है कि इस समूह के सदस्य देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने तथा आर्थिक सुधार के लिए हाथ मिला रहे हैं। दरअसल, भारत को शनिवार को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली जब उसकी अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों से पार पाते हुए एक सर्वसम्मत घोषणापत्र को अपनाया गया। इसमें पीएम नरेन्द्र मोदी ने 'वैश्विक विश्वास की कमी' को खत्म करने व इसे परस्पर विश्वास में बदलने का आह्वान किया। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जी-20 शिखर बैठक में शिरकत नहीं की, उन्होंने अपने प्रधानमंत्री ली क्विंग को भेजा, इससे कयास लगाया गया कि चीन भारत के साथ अपने तनावों व भारत की अध्यक्षता में हो रहे भव्य सम्मेलन से असहज है, इसी के साथ अमेरिका व यूरोप की चीन विरोधी खेमेबाजी व नीतियों के चलते चीन ऐसी स्थिति से बचना चाहता है, जहां उन्हें असहज होना पड़े। चीन की सोच में भारत में आयोजित जी-20 सम्मेलन में ऐसा होने की संभावना थी। इस बैठक से पहले हुए सभी बैठकों का इतिहास रहा है कि जी-20 घोषणा पत्र में अमेरिकी व यूरोपीय हितों का संरक्षण होता रहा है। चीन को लगा कि इस बार भी ऐसा ही हो। रूस व यूक्रेन जंग पर रूस के खिलाफ अमेरिकी व यूरोपीय रुख के चलते बाली घोषणा पत्र पर सहमति नहीं बन पाई थी। भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ, नई दिल्ली में हुई जी-20 की 18वीं दो दिवसीय शिखर बैठक को भूराजनीतिक मंच नहीं बनने दिया गया। इससे चीन व रूस दोनों खुश हुए कि उन्हें असहज स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब पूछा गया कि बीजिंग रविवार को संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के नतीजे को कैसे देखता है तो उन्होंने कहा कि घोषणापत्र यह संकेत देता है कि जी-20 देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए हाथ मिला रहे हैं। चीन की यह सकारात्मक प्रतिक्रिया तब आई है, जब इस बैठक में 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा' निर्माण को लेकर भारत, अमेरिका, यूरोप, सऊदी अरब, यूएई आदि देशों के बीच सहमति बनी है। इस क्रांतिकारी परियोजना का मकसद भारत को समुद्र तथा बंदरगाह के माध्यम से पश्चिम एशिया के जरिए यूरोप से जोड़ना है। इस गलियारे से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और ज्यादा लचीलापन आएगा। इसे चीन के बोर्डर रोड इनिशिएटिव की काट के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि मल्टी कंट्री स्तर पर कनेक्टिविटी के जितने भी रूट बनेंगे, वो विश्व अर्थव्यवस्था को गति ही देंगे। चीन ने गलियारे को इसी भाव से लिया है। जी-20 के सदस्य देशों ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने, महामारी संबंधी तैयारियों को बढ़ाने और मौजूदा संक्रामक रोग निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने के लिए अधिक लचीली, न्यायसंगत, टिकाऊ और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली बनाने का संकल्प लिया है। विश्व अर्थव्यवस्था और विभिन्न विकास क्षेत्रों में जोखिमों से निपटने में जी-20 की एकजुटता और आपसी सहयोग से घोषणा पत्र के समावेशी विकास के लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

जी-20 शिखर बैठक

आर.के. सिन्हा

विश्व में बढ़ी भारत की साख

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में अपने करीबी मित्र देशों जैसे बांग्लादेश, मारीशस, संयुक्त अरब अमीरत वगैरह को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करके मित्र धर्म का निर्वाह किया। इसके साथ ही अब तक का सबसे भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जी- 20 शिखर बैठक दो वजहों से याद रखी जाएगी। पहला, जी 20 घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देशों की सहमति बन गई। हालांकि, इस मसले पर चीन, कनाडा आदि देशों से विवाद होने की आशंका जताई जा रही थी। दूसरा, अफ्रीका यूनियन को भारत की पहल पर जी-20 में शामिल कर लिया गया जो "जी -20" में भारत की स्थिति को और मजबूत बनायेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा हमारी टीम की कड़ी मेहनत से ही नई दिल्ली जी-20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बनी है। नई दिल्ली घोषणा पत्र में संसार के मजबूत, दीर्घकालीक, संतुलित और समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। जी-20 नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की और माना कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर ख़तरों में से एक है। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया, यूक्रेन में युद्ध के संबंध में बाली में हुई चर्चा को दोहराते हुए हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्तावों पर अपने रुख को दोहराया और इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप ही कार्य करना चाहिए। अफ्रीकन यूनियन का जी-20 का स्थाई सदस्य बनना इस बैठक की दूसरी बड़ी उपलब्धि रही। इसका प्रस्ताव भारत ने ही रखा था, जिसका सभी ने समर्थन किया। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा,' सबको साथ लेकर चलने की भावना से ही भारत ने प्रस्ताव रखा था कि अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की स्थाई सदयस्ता दी जाए। मेरा विश्वास है कि इस प्रस्ताव पर हम सब की सहमति है।"अफ्रीकन यूनियन के स्थाई सदस्य बनने से अफ्रीका के 55 देशों को फायदा मिलेगा। अफ्रीकन यूनियन की स्थापना 26 मई 2001 को अदीस अबाबा, इथियोपिया में हुई थी और 9 जुलाई 2002 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में इसे औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। इसने ऑर्गेनाइजेशन ऑफ अफ्रीकन यूनियन की जगह ली थी। वैश्विक जीडीपी में इसका योगदान 18.81 हजार करोड़ रुपये है।

भारत को अफ्रीका से जोड़ने में महात्मा गांधी की सबसे खास भूमिका रही थी। महात्मा गांधी ने अश्वेतों के हक दिलाने के लिये और नस्लवाद के लिए खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका के शिखर नेता नेल्सन मंडेला भी गांधी जी को अपना आदर्श बताते थे। वे लंबी जेल यात्रा से रिहा होने के बाद 1990 में दिल्ली आए थे। वह उनकी जेल से रिहा होने के बाद पहली विदेश यात्रा थी। भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया। भारत सरकार ने राजधानी में मंडेला के नाम पर एक प्रमुख मार्ग का नाम नेल्सन मंडेला मार्ग रखा। गांधी जी के विचारों से प्रभावित मंडेला 1995 में फिर भारत आए। नेल्सन मंडेला के नाम पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में साल 2004 में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कानफ्लिक्ट रेज़लूशन की स्थापना की गई। इस सेंटर की स्थापना मुख्य रूप से इसलिए की गई थी ताकि दुनियाभर में शांति और सदभाव के लिए भारत की तरफ से की जाने वाली कोशिशों का गहराई से अध्ययन हो सके। भारत तो सभी अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक है। अफ्रीका में टाटा, महिन्द्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही है। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी गहरी रुचि जताई है।

खैर, जी-20 शिखर सम्मेलन यादगार रहा है। यह कतई मामूली बात नहीं है कि जी-20 सम्मेलन के लिये राजधानी दिल्ली में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के पीएम फुमियो किशिदा, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी अल्बनीज, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के अलावा बाकी सदस्य देशों के मंत्री और नेता भी हाजिर रहे। यूं तो 1983 में नई दिल्ली में हुये गुटनिरपेक्ष सम्मेलन में जी-20 की तुलना में कहीं अधिक राष्ट्राध्यक्ष आये थे, पर वे ज्यादा बहुत छोटे और गरीब देशों से संबंध रखते थे। उनकी विश्व की कूटनीति या व्यापार में कोई खास हैसियत नहीं थी। यह मानना होगा कि दिल्ली को जी-20 शिखर सम्मेलन भारत मंडपम के रूप में एक बहुत शानादार उपहार दे गया। इसकी विज्ञान भवन से तुलना नहीं की जा सकती। भारत मंडपम की सुविधाओं के लिहाज से तुलना दुनिया के किसी भी श्रेष्ठ सभागार से की जा सकती है। भारत मंडपम को देखकर लगता है कि ये नये और समर्थ भारत का सशक्त प्रतीक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नक्सलवाद, धर्मान्तरण और पिछड़ेपन को पछाड़कर एक बार फिर विकास का कमल खिलाने को तैयार है बस्तर

विचार

डॉ. रमन सिंह

छत्तीसगढ़ अपनी सुंदरता, संसाधनों तथा अपनी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और बस्तर में यह तीनों हमें बहुत अच्छे से दिखाई देते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी बाहुल्य राज्य है और बस्तर ने सदियों से आदिवासी संस्कृति को संजोया है सरहुल, माघे, सोहराई और करमा जैसे पर्व और त्यौहार न केवल आदिवासी समाज के बल्कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं, बुढ़ादेव और अंगा देव हम सभी की आस्था के केंद्र हैं।

बस्तर की भूमि ऐसी पावन भूमि है कि स्वयं माता दंतेश्वरी को जब अपने लिए स्थान चुनना था तो उन्होंने हमारे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा को चुना, प्रभु श्री राम भी 14 वर्ष के वनवास के दौरान बस्तर पहुंचे। ऐसी पावन भूमि पर रहने वाले हमारे आदिवासी भाई-बहन छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पहले मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर थे ऐसी परिस्थिति में एक उम्मीद थी कि यदि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हो जाए तो बस्तर भी विकास से जुड़ जायेगा लेकिन इस बारे में मांगे उठती रही और कांग्रेस ने कभी संवेदनशीलता से इसपर विचार नहीं किया लेकिन जब भाजपा के वरिष्ठ नेता और हमारे पथ प्रदर्शक श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने छत्तीसगढ़ की बात सुनी, उन्होंने बस्तर की बात सुनी और न केवल सुनी बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के सपने को साकार किया, लेकिन तब भी 3 साल तक कांग्रेस की सरकार में छत्तीसगढ़ की जनता उसी बदहाली में जीने को मजबूर रही। जिसे दूर करने का सपना छत्तीसगढ़ ने देखा था, हमारे बस्तर ने देखा था। इन 3 सालों में न कहीं सडकें बनी, स्कूल, न अस्पताल, न रोजगार की कोई व्यवस्था और न ही कोई अन्य विकास कार्य हुए, बस्तर स्वयं को चारो ओर से सुविधाओं के अभाव में विकास से कोसो दूर और नक्सलवाद से जकड़ा हुआ देख रहा था अब बस्तर की एक ही उम्मीद बची थी और वो उम्मीद यह थी कि भाजपा ने बस्तर की आवाज सुनी है, भाजपा ने बस्तर की तकलीफों को देखा है और भाजपा ही बस्तर का विकास करेगी और जैसे ही प्रदेश में पहली बार चुनाव हुआ तो बस्तर समेत पूरे प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपना विश्वास जताया और आशीर्वाद देकर छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का अवसर दिया और मुझे मुख्यमंत्री के रूप में आप सबकी सेवा करने का अवसर मिला।

2003 में जब मैं मुख्यमंत्री बना और हमने बस्तर आकर देखा तो आदिवासी भाइयों-बहनों की समस्याओं को जाना और उन समस्याओं को दूर करना शुरू किया हमने देखा कि हमारे तेंदूपत्ता संग्राहक आदिवासी साथी खाली पैर तेंदूपत्ता संग्रहण करने जाते थे तो उनके पैरों में कांटे चुभ जाया करते थे और इतना खतरनाक रोग होता था कि कई बार उन्हें पैर तक कटवाने पड़ते थे, तभी हमने तय किया कि हम किसी तेंदूपत्ता संग्राहक भाई-बहन को कांटे नहीं चुभने देंगे और हमने चरणपादुका योजना बनाकर चरणपादुका वितरित करना शुरू किया न केवल चरणपादुका बल्कि साड़ी, टॉर्च और रेडियो भी वितरित किया।

हमने देखा कि बस्तर समेत प्रदेशभर में भुखमरी की स्थिति है, भूख से लोगों की मौत हो जाया करती थी तो हमने प्रदेश के 58 लाख गरीब परिवारों को 1 रु. किलो चावल देने की व्यवस्था की, बस्तर में जब हमने देखा कि थोड़े से नमक के बदले आदिवासी साथियों को अपनी आजीविका के प्रमुख साधनों जैसे चिरौंजी इत्यादि को देकर नमक खरीदना पड़ता था तब हमने निः शुल्क नमक वितरण शुरू किया।

मुझे याद है कि उस समय हमारे पीडीएस व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ की पीडीएस व्यवस्था को पूरे देश के लिए आदर्श बताया था,जब छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनी तो प्रदेश में पलायन की स्थिति थी लेकिन हमने पलायन लगभग समाप्त कर दिया भाजपा सराकर के अथक परिश्रम और नीतियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ ने हमें लगातार 15 साल सेवा का अवसर दिया और सन 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र के बड़े-बड़े वादों और गंगाजल तथा गीता की झूठी कसमों पर यकीन कर बस्तर समेत पूरे प्रदेश की विकास गति और अधिक तेज करने के उम्मीद से जनता ने कांग्रेस को मौका दिया, लेकिन पिछले पौने 5 साल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नेन केवल घोषणापत्र के वादे पूरे नहीं किए बल्कि प्रदेश को विकास की राह से मोड़कर भ्रष्टाचार और अपराध के दलदल में धकेल दिया, इस सरकार ने गरीबों के मुंह का निवाला तक छिनने का काम किया, पीडीएस में 600 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार इसके साथ ही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5,000 करोड़ रुपए का घोटाला किया।

इसके अलावा हाथ में गंगाजल लेकर शराबबंदी की कसमें खाने वाली कांग्रेस ने शराबबंदी की जगह शराब की होम डिलीवरी शुरू की न केवल होम डिलीवरी बल्कि शराब में 2,161 करोड़ रुपए का घोटाला भी किया जिस छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार में लगभग 3 लाख युवाओं को हमने कौशल उन्नयन से जोड़कर प्रशिक्षित किया,जिस छत्तीसगढ़ को हमने कौशल उन्नयन के क्षेत्र में देश के लक्ष्य का 14 फीसदी अकेला पूरा करने वाला राज्य बनया उसी छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 4,000 युवाओं को भी कौशल उन्नयन से नहीं जोड़ पाई है बल्कि कौशल उन्नयन के स्थान पर युवाओं को जुए और सट्टे की ट्रेनिंग दी जा रही है।

भाजपा ने पंचवर्षीय सीजन 2014 -2018 में तेंदूपत्ता संग्राहकों को 1421 करोड़ 85 लाख रुपए बोनस दिया जबकि कांग्रेस ने पंचवर्षीय सीजन 2019-2023 में 2014 से 2018 की तुलना में तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस में 772 करोड़ रुपए कम दिया इसके अलावा पिछले पौने 5 साल में आदिवासी कल्याण के लिए एक भी नई योजना नहीं बनाई बल्कि भाजपा सरकार की चरण पादुका, साड़ी वितरण, टॉर्च, रेडियो वितरण जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को भी बंद कर दिया। आदिवासी अंचलों में भाजपा की सरकार में हमने शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और बिजली समेत अनेकों विकास कार्य किए, हमने प्रयास संस्थान बनाए,जावांगा में एजुकेशन सिटी का निर्माण किया, बस्तर नेट परियोजना लाए, बस्तर में महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल आदि की व्यवस्था की,बस्तर समेत पूरे प्रदेश में सड़कों का विस्तार बढाकर 60,000 किलोमीटर से अधिक किया, सैकड़ों पुल-पुलियाओं का निर्माण किया पूरे प्रदेश में लगभग 40,000 से अधिक स्कूलों का निर्माणकिया, NIT, IIT, IIIT, IIM, HNLU और AIIMS जैसे संस्थान लाए और आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र शासित प्रदेश से भी पीछे कर 34वें स्थान पर ला दिया है, आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली यह कांग्रेस सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा दे रही है क्योंकि नक्सली भाजपा नेताओं की टारगेट किलिंग कर रहे हैं और इसका कारण ये हैं कि नक्सली और कांग्रेस दोनों बस्तर का विकास नहीं चाहते।

मुझे आज याद आ रहा है कि एक समय था जब वर्ष 2008 और 2009 में दो बार 7 से 12 दिन तक नक्सलियों ने बस्तर में ब्लैकआउट कर दिया था तब मैंने खुद उस क्षेत्र का दौरा किया और जनता से वादा किया था कि दोबारा बस्तर को इस प्रकार का अंधेरा नहीं देखना पड़ेगा और भाजपा की सरकार ने अपना वादा निभाया क्योंकि बस्तर समेत प्रदेश की जनता को हमारी सरकार पर विश्वास था और भाजपा की सरकार में हमने छत्तीसगढ़ को जीरो पॉवर कट स्टेट बनाया, हमनें विद्युत उत्पादन क्षमता को 4 हजार मेगावाट से बढ़ाकर 22 हजार मेगावाट किया और बस्तर ने भाजपा सरकार के 15 साल में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा बल्कि लगातार तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ा। पिछले पौने 5 साल से नक्सलवाद और धर्मान्तरण से जूझता बस्तर एक बार फिर विकास की राह पर बढ़ने को तैयार है इस बार बस्तर समेत पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हुए लूट का हिसाब मांगने को तैयार है और जल्द ही बस्तर एक बार फिर नक्सलवाद, धर्मान्तरण और पिछड़ेपन को पछाड़कर भाजपा की सरकार के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री (छ.ग. शासन), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (भाजपा)

'छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूढ़ते हैं दोष

संकलित

दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला।

कभी भी अपने बल पर घमंड न करें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

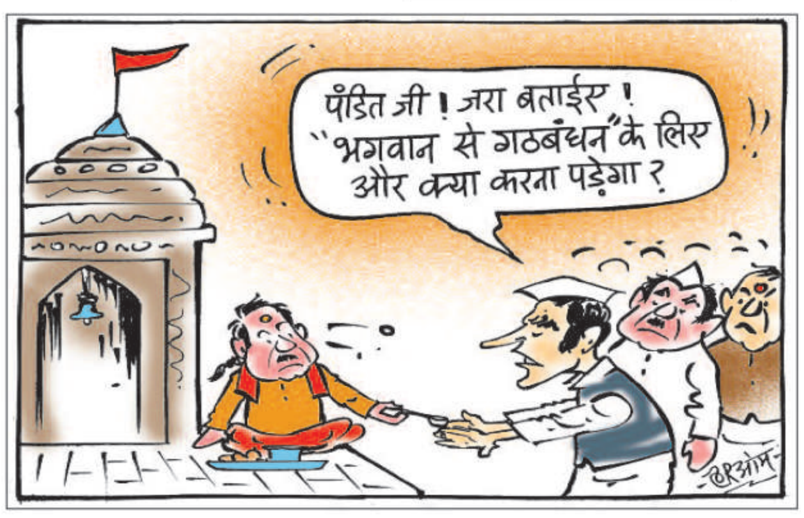

आज की पाती

जी-20 का मुख्य उद्देश्य

जी-20 का इस बार का थीम है- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। पृथ्वी एक परिवार है, इस परिवार में सारी दुनिया बसती है, परिवार का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब परिवार के सभी सदस्य मिलजुल काम करते हैं। इस बार दिल्ली में जो जी-20 का शिखर सम्मेलन हुआ, इसमें दुनिया ने भारत की संस्कृति की भी झलक देखी। इसमें शामिल दुनिया के कई देशों के दिग्गजों ने 'नमस्ते भारत' शब्दों का प्रयोग किया। सम्मेलन में जब दुनिया के बहुत से देश एक मंच पर इकट्ठे हुए तो दुनिया के सभी नागरिकों में एकता और सद्भावना का संदेश भी जरूर गया होगा। सभी ने यह उम्मीद भी लगाई होगी कि जी-20 सम्मेलन से ही विश्वव्यापी समस्याओं का हल बातचीत से निकलेगा।

- सुकैश जैन, राजनांदगांव

करंट अफेयर

रूस ने म्यांमार को दिए एसयू-30 फाइटर जेट्स

रूस ने म्यांमार को एसयू-30 लड़ाकू विमान की पहली खेप भेजी है। म्यांमार के ट्रेड मिनिस्टर ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए को ये जानकारी दी। सितंबर 2022 में रूस और म्यांमार ने 6 एसयू-30एसएमई लड़ाकू विमानों के लिए एग्रीमेंट साइन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के शहर व्लादिवोस्तोक में आयोजित ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम से म्यांमार के ट्रेड मिनिस्टर चार्ली थान ने कहा की म्यांमार में रूस से अब तक 2 विमान डिलीवर किए जा चुके हैं। हालांकि, रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। म्यांमार की मिलिट्री का समर्थन करने पर अमेरिका ने रूस को कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिका ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस म्यांमार में सेना की सत्ता की मदद कर रहा है, जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। वो हथियार बेचकर एक ऐसी जंग को बढ़ावा दे रहा है जो पूरे म्यांमार के लिए तबाही बन गई है। रूस के रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के मुताबिक, सुखोई एसयू-30एसएमई एक मल्टी-रोल फाइटर जेट है। ये फाइटर जेट दुश्मन के गहरे हवाई लक्ष्यों पर हमला करने, एयर-टू-एयर और एयर-टू-सरफेस टारेगट के लिए जाना जाता है। ये हर मौसम में काम करने में सक्षम है।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह

चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है। बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796-1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है। बीएमआई शरीर की अतिरिक्त चर्बी को नहीं मापता, यह केवल 'अतिरिक्त' वजन को मापता है।

ट्रेंड

वाणिज्यिक संबंध बढ़ेंगे

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अल सऊद और मेरे बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने अपने व्यापार संबंधों की समीक्षा की और हमें विश्वास है कि आने वाले समय में हमारे देशों के बीच वाणिज्यिक संबंध और भी बढ़ेंगे।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सफल शिखर सम्मेलन

भारत आने पर ऐतिहासिक जी20 और भारतीय लोगों के इतने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद। वैश्विक खाद्य सुरक्षा से लेकर अंतरराष्ट्रीय भागीदारी तक, यह एक व्यस्त लेकिन सफल शिखर सम्मेलन रहा है।

-ऋषि सुनक, ब्रिटिश प्रधानमंत्री

ऋण मुद्दों पर प्रगति हुई

जी20 की अध्यक्षता के दौरान दुनिया में क्रिप्टो परिसंपत्तियों से निपटने पर एक एकीकृत दृष्टिकोण था, सॉवरेन डेट राउंडटेबल के भारत के संयुक्त नेतृत्व के माध्यम से एमडीबी सुधारों और ऋण मुद्दों पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

-गीता गोपीनाथ, आईएमएफ उपनिदेशक

एकता में समृद्धि

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता मेंजी 20 की सफलता और दुनिया के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रों के बीच एकता ने हर भारतीय के दिल में गौरव की भावना पैदा की है। सर, आपके नेतृत्व में हम एकता में समृद्ध होंगे।

-शाहरुख खान, अभिनेता

एक नज़र

मोनू मानेसर गिरफ्तार

राजस्थान पुलिस ने 'ट्रांजिट रिमांड' पर लिया

हिलव्यू समाचार
जयपुर। हरियाणा के नूंह जिले में जुलाई में हुई हिंसा एवं राजस्थान में दो मुस्लिमों की हत्या के मामले में आरोपी मोनू मानेसर को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। राजस्थान पुलिस ने मोनू के खिलाफ फरवरी में नासिर (25) और जुनैद (35) का डीग जिले से कथित तौर पर अपहरण और जलाकर मारने का मामला दर्ज किया था।

भरतपुर के पुलिस महानिरीक्षक रूपिंदर सिंह ने बताया कि मोनू की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी मिलने के बाद डीग से एक टीम मंगलवार को नूंह गई थी। नूंह की एक अदालत से 'ट्रांजिट रिमांड' मिलने के बाद उसे राजस्थान पुलिस को सौंप दिया गया। नूंह पुलिस ने उसे कथित तौर पर गुरुग्राम के मानेसर से गिरफ्तार किया।

असली नाम मोहित यादव

पुलिस ने बताया कि मानेसर का असली नाम मोहित यादव है। पुलिस ने मोनू के पास से एक पिस्तौल, तीन कारतूस और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। मानेसर पर कुछ लोगों द्वारा 31 जुलाई की घटना को भड़काने का आरोप लगाया गया था। इसके तहत नूंह में भीड़ ने विश्व हिंदू परिषद की शोभा यात्रा को निशाना बनाया था। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को जोन-12 और जोन 14 में निजी खातेदारी की करीब सात बीघा कृषि भूमि पर बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-12 के क्षेत्राधिकार में गांव सांझरिया बगरू के पास करीब तीन बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू-रूपांतरण कराए अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। इसके अलावा जोन-14 के खेड़ी गोकुलपूरा रिंग रोड के पास करीब दो बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर भी जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू रूपान्तरण कराए तिरुपति बिहार और कीर्ति नगर के नाम से दो अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। इस पर राजस्व और तकनीकी स्टॉफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया।

निर्वाचन विभाग की कार्यशाला आयोजित

चुनाव में 40 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे उम्मीदवार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार अब अधिकतम 40 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पिछले विधानसभा चुनावों की बजाय इस बार चुनाव खर्च की सीमा को 43 फीसदी तक बढ़ाकर अधिकतम 40 लाख रुपए किया गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और राजनीतिक पार्टियों की मांग के बाद चुनाव आयोग ने ये फैसला लिया है। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में एक उम्मीदवार को चुनाव प्रचार-प्रसार और कार्यकर्ताओं के चाय-नाश्ते के लिए 28 लाख रुपए तक खर्च करने की सीमा निर्धारित थी, उसे इस वर्ष 12 लाख रुपए बढ़ाकर अधिकतम 40 लाख रुपए किया है। दरअसल मीडियाकर्मियों को निर्वाचन संबंधी विषयों से अवगत कराने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इस बार 50 फीसदी से अधिक मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग होगी।

मतदाताओं के नाम जुड़वाने, मतदाता सूची में संशोधन आदि के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। साथ ही निर्वाचन से संबंधित जानकारियां एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जा रही है। उन्होंने ई- ईपिक डाउनलोड करने की जानकारी देते हुए वोटर हेल्पलाइन ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की। गुप्ता ने कहा कि बार कोड, क्यूआर कोड, नाम या पिता का नाम तथा वोटर क्रमांक के जरिए हम वोटर लिस्ट में नाम पता कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा- संसद और विधानसभाओं का उपयोग हो विचार-विमर्श और संवाद के लिए

अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त करना एक ऐतिहासिक कदम

हिलव्यू समाचार
जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसद और विधानसभाओं में व्यवधानों की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इन मंचों का उपयोग विचार-विमर्श और संवाद के लिए होना चाहिए।

धनखड़ ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जनप्रतिनिधियों से जवाबदेही मांगे ताकि उनका आचरण अनुकरणीय बने। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव' के मुद्दे से आप सहमत-असहमत हो सकते हैं। लेकिन यह कहना कि हम इस पर चर्चा ही नहीं करेंगे, अलोकतांत्रिक है। भरतपुर बार एसोसिएशन के अभिनंदन समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आप दूसरों के मत से सहमत भले ही न हों, लेकिन यदि आप दूसरे के मत को सुनने को ही तैयार नहीं हैं तो यह स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है। जम्मू कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त करने को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए धनखड़ ने कहा कि इसका असर कश्मीर के विकास में दिख रहा है और वहां जाने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है।इस दौरान धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ यहां रियासतकालीन विख्यात लक्ष्मण मंदिर पर वैदिक रीति-रिवाज, धार्मिक अनुष्ठान एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजा आर्चना की। मंदिर परिसर में भरतपुर सांसद रंजीता कोली, तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष गर्ग, जिला प्रमुख जगत सिंह, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक रूपिन्दर सिंघ, जिला कलक्टर लोकबंधु, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, पूर्व सांसद दिव्या सिंह, अनिरूद्ध सिंह, ऋषि बंसल ने उनका स्वागत किया।

सड़कों पर प्रदर्शन करने की प्रवृति गलत

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अधिवक्ताओं से कहा कि प्रजातंत्र की रक्षा में और कानून का राज स्थापित करने में वकील समुदाय की सशक्त भूमिका है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था बेहद मजबूत है। लेकिन कुछ लोगों को जब कानून का नोटिस मिलता है तो वे अदालत जाने के बजाय सड़कों पर प्रदर्शन करने पर उतारू हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकना जरूरी है।

कुछ कानूनी प्रावधान अंग्रेजों की विरासत

भारतीय दंड संहिता में प्रस्तावित बदलावों के बारे में बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये कानून अंग्रेजों की विरासत थी और इनके कई प्रावधान अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले हैं। इनकी जगह आ रहे नये कानून नये भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस देश में न्याय देने की व्यवस्था कमजोर होगी तो प्रजातंत्र फलेगा-फूलेगा नहीं।

पाटीदार, पटेल, आंजना, डांगी समाज के उत्थान के लिए काम करेगा बोर्डः सीएम गहलोत

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मुख्यमंत्री निवास पर अनेक समाजों के प्रतिनिधिमंडलों ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाक़ात की। इन समाजों में पाटीदार, पटेल, आंजना, डांगी पटेल सहित कई समाजों के लोग उपस्थित थे। प्रतिनिधिमण्डल ने राजस्थान राज्य सरदार पटेल बोर्ड के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान गहलोत ने कहा कि बोर्ड के जरिए पाटीदार, पटेल, आंजना, डांगी पटेल सहित विभिन्न समाजों के उत्थान और विकास का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखण्डता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। गहलोत ने कहा कि उनकी सोच और विचारधारा का सम्मान करने के लिए राज्य सरकार ने 'राजस्थान राज्य सरदार पटेल बोर्ड' का गठन किया है। उन्होंने योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि उनकी सरकार ने महंगाई राहत कैम्प से लोगों को महंगाई से राहत दी गई है। 500 रुपए में गैस सिलेंडर, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, 100 यूनिट फ्री घरेलू बिजली, 2000 यूनिट निशुल्क कृषि बिजली तथा न्यूनतम 1 हजार रुपए मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिलने से प्रदेशवासियों को बड़ी राहत मिली है।

परिवार में कोहराम: रूपावास गांव में हुआ भीषण हादसा

बेकाबू बस कार से टकराई, एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जिले के रूपावास गांव में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोग काल का ग्रास बन गए। बस और कार में हुई जोरदार टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि सड़क पर अचानक सांड के आने से बस बेकाबू होकर कार से टकरा गई। हादसे में जान गंवाने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार परिवार के लोग खाटू श्याम बाबा के दर्शन कर लौट रहे थे। बस और कार में टक्कर की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

कार में सवार छह लोगों की मौत हो चुकी थी। टक्कर के बाद कार पूरी तरह से पिचक गई। इसके चलते उसमें सवार लोग बुरी तरह से फंस गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उन्हें खासी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

दर्शन कर लौटते समय हुआ हादसाः जानकारी के अनुसार परिवार खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए कार से गया था। वहां से लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। उनकी कार जैसे ही रूपवास के पास पहुंची तभी सामने से आ रही बस से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से ये हादसा हुआ। हादसे के बाद धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।कार की हालत देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। कार पूरी तरह से पिचक गई थी।

हादसे में इनकी गई जान

हादसे में घायल हुए दो बच्चों की हालत नाजुक है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद बस चालक मौके से बस को छोड़कर फरार हो गया। हादसे का शिकार परिवार धौलपुर के गांव खड़गपुर का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान हरेंद्र और उसकी पत्नी ममता एवं पुत्री जाह्नवी, संतोष और उसकी पत्नी सुधा एवं उसका पुत्र अनुज के रूप में हुई है। मृतक हरेंद्र की छह वर्षीय पुत्री जाह्नवी ने सोमवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

एसएमएस में खुला 'स्टोमा केयर क्लिनिक'

हिलव्यू समाचार
जयपुर। एसएमएस अस्पताल के धन्वंतरि ओपीडी के सर्जरी विभाग में मंगलवार को 'स्टोमा केयर क्लिनिक' का उद्घाटन किया गया।

एसएमएस अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि स्टोमा केयर क्लिनिक' की विशेष सुविधा सर्जरी ओपीडी में चलाई गई है। इसका लाभ स्टोमा रोगी से पीड़ित है उन्हें निःशुल्क मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश यह पहला सरकारी अस्पताल है, जहां स्टोमा मरीजों को स्टोमा केयर क्लिनिक की सुविधा मिल सकेगी। सर्जरी के बाद मल-मूत्र के लिए कोलोस्टॉमी बैग रखते समय सावधानी बरतनी होती है। ऐसे रोगियों को कोलोस्टॉमी बैग फिट करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे मरीजों के लिए यह आसान होगा।

सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजेंन्द्र बागड़ी ने कहा सर्जरी विभाग में ऑस्टॉमी सर्जरी यानी इंटेस्टाइनल कोलोस्टॉमी, इलियोस्टॉमी मरीजों की जाती है।

पापड़ वाले हनुमान मंदिर में हुई धर्म सभा में संत समाज ने दी चेतावनी

प्रवेश द्वार की जगह नहीं बदली तो करेंगे विधानसभा कूच

हिलव्यू समाचार
जयपुर। विद्याधरनगर स्थित पापड़वाले हनुमान जी मंदिर के पास वन विभाग की ओर से बनाए जा रहे नाहरगढ़ अभयारण्य(मायलाबाग) के प्रवेश द्वार के विरोध में मंगलवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। धर्मसभा में अभयारण्य के प्रवेश द्वार को अन्यत्र बनाने और पापड़ेश्वर महादेव मंदिर तक श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए अलग से मार्ग बनाने की मांग की गई। धर्म सभा पापड़वाले हनुमानजी मंदिर में महंत रामसेवकदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख मंदिर-मठों के महंत और मठाधीश भी शामिल हुए।

हिंदू आस्था पर आघात

इस अवसर पर त्रिवेणी पीठाधीश्वर खोजीचार्य रामरिछपालदास महाराज, अग्र पीठाधीश्वर डॉ. राघवाचार्य महाराज ने एक स्वर में कहा कि वन विभाग ढाई हजार से अधिक प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं को जाने से रोक रहा है। यह हिंदू आस्था पर आघात है, इसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा श्रद्धालुओं को मंदिर तक जाने से रोकना पूरी तरह गलत है। सरिस्का और रणथम्भौर अभ्यारण में भी मंदिर हैं, लेकिन वहां तक श्रद्धालुओं को आने जाने में किसी तरह की रोक टोक नहीं है। वन विभाग को हठधर्मिता छोड़कर भक्तों के लिए एक अलग से रास्ता देना चाहिए। भक्तों के अभयारण्य में जाने से अभयारण्य की ही शोभा बढ़ेगी।

जय श्रीराम के जयकारों की गूंज: इस अवसर पर संतों ने घोषणा कि यदि दस दिन में मांगें नहीं मानी गई तो प्रदेश के संत समाज विधानसभा कूच करेगा। मंदिर बचाओ-सनातन बचाओ के आह्वान पर हजारों की संख्या में पापड़ वाले हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारों से माहौल का गुंजायमान कर दिया। संत प्रकाशदास महाराज ने देशभक्ति गीतों और भजनों से वातावरण में जोश भर दिया। इसके बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। हेमंत सेठिया ने आगामी कार्य योजना पर प्रकाश डाला। वहीं, स्थानीय विधायक नरपत सिंह राजवी ने अभयारण्य का मुख्य द्वार अन्यत्र बनाने और मंदिर में श्रद्धालुओं को जाने के लिए अलग से रास्ता बनाने की मांग का वन विभाग के अधिकारियों को लिखा पत्र संत समाज को सौंपा। इस अवसर पर हीरापुरी महाराज, हरिशंकरदास वेदांती, बाहुबलदेवाचार्य बलदेवदास महाराज, चेतराम शरण, हरिदास, रामसेवकदास, ईश्वरदास, रामचरितदास, मनु महाराज सहित अन्य सामाजिक और धार्मिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक नज़र

राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे

रजिस्ट्रेशन से वंचित परिवार महंगाई राहत कैंप से जोड़े जाएं: उषा शर्मा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्य के वंचित परिवारों का महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाने के संबंध में मंगलवार को शासन सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि जनआधार के आंकड़ों के अनुसार राज्य के अधिकाशं परिवारों को महंगाई राहत कैंप से जोड़ा जा चुका है और उन्हें योजनाओं का लाभ भी मिला है। इसी क्रम में उन्होंने सम्बंधित विभागों के सचिव और जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि कुछ परिवार योजनाओं के लाभ लेने से वंचित रह गए हैं, उनका महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर उन्होंने सभी जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर वंचित परिवारों का जिलावार और ब्लॉकवार डाटा प्राप्त करें और महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कराएं। उन्होंने सम्बंधित विभागों को भी निर्देशित किया कि वे जिला कलेक्टर के साथ मिलकर ऐसे परिवारों को विभाग की योजनाओं का लाभ पहुंचना सुनिश्चित करें, जिनका रजिस्ट्रेशन तो हो गया है, परन्तु उन्हें सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है।

बैठक में आयोजना विभाग के शासन सचिव भवानी सिंह देथा और संयुक्त सचिव सुशील कुमार कुलहरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सभी संबंधित विभागों के सचिव और जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

राजपूत समाज में अब नहीं होगा मृत्युभोज

अलवर। मुंडावर के गांव पदमाड़ा कलां में राष्ट्रीय क्षत्रिय जागृति मंच की बैठक में मृत्जयुभोज नहीं करने का निर्णय सर्वसहमति से लिया गया। वहीं इस मौके पर मौजूद समाजबंधुओं ने मृत्युभोज करने वालों के यहां भी नहीं जाने का प्रण लिया। इसके साथ ही दहेज प्रथा के निवारण की भी समाजबंधुओं ने आवश्यकता जताई। बैठक की अध्यक्षता मूल सिंह चौहान ने की। बैठक में मंच के अध्यक्ष ओमपाल सिंह चौहान ने समाज को एकजुट होकर समाज के हित मे काम करने को कहा। बैठक में उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सहयोग की घोषणा की गई।

कवयित्री कविता अमेरिका में करेंगी काव्य पाठ

पाली। जिले के फालना की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवयित्री डॉ. कविता 'किरण' अमेरिका में 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर भारतीय वाणिज्य दूतावास में काव्य पाठ करेंगी। वहीं 16 सितंबर को उन्हें अखिल विश्व हिंदी समिति न्यूयॉर्क द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में 'हिंदी गौरव' सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। 17 सितंबर को न्यूजर्सी में हास्य कवि सम्मेलन में शामिल होंगी। गौरतलब है कि 'कविता किरण' पूर्व में भी कई देशों में काव्य पाठ कर जिले का नाम रोशन कर चुकी है।

कांग्रेस विधायक ने मुंडवाया अपना सिर... CM गहलोत को पत्र के साथ भेजेंगे बाल

हिलव्यू समाचार
कोटा। कोटा जिले के सांगोद विधायक और पूर्व मंत्री भरत सिंह ने अपना सिर मुंडवा लिया है। भरत सिंह अपने बालों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को एक पत्र के साथ सौंपने की तैयारी कर रहे हैं. वह अपने बालों को डाक के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजेंगे. भरत सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर एनजीटी, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के नियमों और आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. नियमों की पालना करने वाले ही नियम विरुद्ध काम कर रहे हैं.

'जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती, बाल नहीं रखूंगा': भारत सिंह ने कहा कि मैं जब तक खान की झोपड़ियों को कोटा में शामिल नहीं करवा लेता, तब तक अपने बालों को ऐसे ही रखूंगा. उन्होंने कहा कि इस सिर के माध्यम से लोगों को याद रहेगा कि आखिर यह क्यों मुंडवाए गए हैं. भारत सिंह ने कहा कि जब कोई अपने घर का या घनिष्ठ मर जाता है तो उस समय सिर को मुंडवाया जाता है, बाल कटवाए जाते हैं. अशोक गहलोत का ईमान मर चुका है और वह मेरे बहुत करीबी हैं, इस कारण से मैंने अपने बालों को कटवाया है.

घर के बाहर लगाया रावण का पुतला

विधायक भरत सिंह ने अपने घर के बाहर रावण का पुतला और कई बैनर और पोस्टर लगा रखे हैं और लगातार विरोध दर्ज करा रहे हैं. भ्रष्टाचार रूपी रावण के पुतले का भी वह दहन करेंगे. भारत सिंह ने चंबल रिवर फ्रंट को लेकर के कहा कि एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन की पालना नहीं हो रही है. कोटा सहित कई जगह एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट के नियमों की पालना नहीं की जा रही, उनके आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. बात कोटा की ही नहीं है, जहां भी सत्ता में सरकार है वह इसका पालन नहीं करती. इसके पालन के लिए जिसे चुना गया है वही इसका दुरुपयोग करता है. कांग्रेस की सरकार हो या बीजेपी की, कोई भी एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के नियमों और आदेशों का पालन नहीं कर रहा है.

"गृहमंत्री के नाते गहलोत ने गलत काम किए'

भरत सिंह ने कहा कि प्रमोद जैन भाया लगातार अवैध खनन कर रहा है. इसके कई पत्र मुख्यमंत्री को लिख चुका हूं. वह गांधीवादी तरीके की बात करते हैं लेकिन गांधीवादी नहीं हैं. भरत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नाते उन्होंने अच्छे काम किए हैं, लेकिन गृहमंत्री के नाते उन्होंने कुछ फाइलों को बारां से शिफ्ट कर सवाई माधोपुर और जयपुर भेज दिया है. इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो रही है और खुले रूप में अवैध खनन करने वालों को संरक्षण देने वाले प्रमोद जैन भैया को मुख्यमंत्री ने संरक्षण दे रखा है. ऐसे में उनका तीखा विरोध किया जा रहा है. मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिंदाबाद के नारे लगाए जाएंगे वहीं गृहमंत्री के रूप में मुर्दाबाद के नारे लगाए जाएंगे.

संतों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री, जिलों में 143 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया शिलान्यास-लोकार्पण

संतों ने दुनिया को विश्व शांति, सद्भाव का संदेश दिया: गहलोत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारे संत समाज ने सदियों से विश्व को शांति, सद्भाव और एकता का संदेश दिया है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी इन्हीं आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा का मार्ग अपनाया।

चित्तौड़गढ़ के नरबदिया में सर्व समाज सनातन चातुर्मास विकास समिति और अमरा भगत सेवा संस्थान के श्री अमरा भगतजी के 181वें जन्मोत्सव तथा चातुर्मास कार्यक्रम गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार भी इसी भाव के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में 143 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण भी किया।

गोशालाओं को 3 हजार करोड़ रुपए का अनुदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोशालाओं को 3 हजार करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है, जबकि पूर्ववर्ती राज्य सरकार ने सिर्फ 500 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया था। उन्होंने कहा कि नंदीशालाओं को 12 महीने का अनुदान भी हमारी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। लंपी रोग से मरने वाली गायों के लिए पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का निःशुल्क बीमा भी राज्य सरकार द्वारा करवाया जा रहा है।

सरकार की योजनाओं का जिक्र

राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना के तहत 500 रुपए में गैस सिलेण्डर, घरेलू उपभोक्ताओं को निःशुल्क 100 यूनिट बिजली तथा कृषि उपभोक्ताओं को निःशुल्क 2000 यूनिट बिजली, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में 125 दिवस तथा महात्मा गांधी नरेगा में 25 अतिरिक्त दिवस का रोजगार, लगभग एक करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं। गहलोत ने कहा कि किसानों के लिए अलग से कृषि बजट पेश करने वाला राजस्थान अग्रणी राज्य है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पटवार मंडल सावा को उप तहसील बनाने, अनगढ़ बावजी मंदिर क्षेत्र परिसर में 25000 वर्ग फीट का डोम बनाने की घोषणा की।

शिक्षक भर्ती लेवल-2 हिन्दी में विशेष शिक्षा के पदों का मामला

पात्रता की गफलत बनी गलफांस, सैकड़ों छात्रों के भविष्य पर तलवार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित अध्यापक भर्ती परीक्षा में लेवल-2 के विशेष शिक्षा के पदों पर पात्रता में हुई गफलत के कारण सैकड़ों अभ्यर्थियों के भविष्य पर तलवार लटक गई है।

दरअसल, रविवार को बोर्ड ने लेवल-2 हिंदी विषय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। इसमें विशेष शिक्षा के तहत 262 पदों के लिए सूची जारी की गई है, लेकिन इस सूची 84 ऐसे अभ्यर्थियों को शामिल कर लिया गया है, जिनके पास भर्ती के लिए आवश्यक बीएड की योग्यता नहीं है। हालांकि, इन अभ्यर्थियों को प्रोविजनल बताया जा रहा है। ऐसे में अगर ये अभ्यर्थी बीएड की डिग्री प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे तो इनको नियुक्ति नहीं मिलेगी, लेकिन इस कारण 84 ऐसे अभ्यर्थियों का नाम सूची में नहीं आ पाया जो इसकी योग्यता रखते हैं। वंचित योग्य अभ्यर्थियों का कहना है कि बोर्ड ने पहले पद संख्या के दोगुना अभ्यर्थियों की अस्थाई सूची निकाली थी, उसी समय अभ्यर्थियों की ठीक से स्क्रूटनी होती तो इस लिस्ट में योग्य अभ्यर्थी ही शामिल होते।

मंडरा रहा पद बैकलॉग में जाने का खतरा

अध्यापक भर्ती परीक्षा की चयन बोर्ड द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार लेवल द्वितीय में विशेष शिक्षा के पदों पर केवल बीएड धारी अभ्यर्थी ही योग्य थे, लेकिन हिंदी विषय के जारी परिणाम की प्रोविजनल सूची में 84 अभ्यर्थियों का चयन कर लिया गया। अब इन अभ्यर्थियों का चयन निरस्त होता है तो इन पदों के बैकलॉग में जाने का खतरा है। ऐसा अगर हर विषय में हुआ तो सैकड़ों योग्य अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा।

" यह मामला मेरे ध्यान में नहीं है, क्योंकि मैंने हाल ही ज्वाइन किया है। मामले को लेकर अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए हैं। जांच के बाद ही कोई फैसला हो पाएगा।

आलोक राज, अध्यक्ष कर्मचारी चयन बोर्ड

" लेवल टू में विशेष शिक्षा के पदों पर केवल बीएड धारी योग्यता वाले अभ्यर्थी ही शामिल हो सकते हैं, लेकिन चयन बोर्ड की गलती के कारण अयोग्य अभ्यर्थियों का फॉर्म भरने से लेकर प्रोविजन सूची तक में चयन हो गया। अब यदि ये पद खाली भी रहते हैं तो योग्य अभ्यर्थियों को नुकसान झेलना पड़ेगा।

हिमांशु शर्मा, अभ्यर्थी

पाली में भाजपा की परिवर्तन यात्रा, कांग्रेस पर बरसे भाजपा नेता

सनातन धर्म को मिटाने वालों की राजनीति हो जाएगी ख़त्म

हिलव्यू समाचार
पाली। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा मंगलवार को पाली पहुंची। आम सभा में भाजपा नेताओं ने आओ साथ आए, परिवर्तन लाए' का नारा देते हुए कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने का आह्वान किया। सनानत धर्म को खत्म करने के कांग्रेस नेताओं के बयान को लेकर भी जमकर कोसा। परिवर्तन यात्रा सर्किट हाऊस से रवाना होकर मस्तान बाबा, बांगड़ स्कूल होते हुए लोढ़ा स्कूल पहुंची। यहां आमसभा के मंच पर भाजपा के केंद्रीय नेताओं का स्वागत किया गया। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और प्रदेश सहप्रभारी विजया राहटकर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाने साधे। सभा में फड़णवीस ने कहा कि सनातन धर्म को खत्म करने वालों की राजनीति जनता खत्म कर देगी। मोदी ने देश का गौरव बढ़ाया है। सनातन धर्म पर टिप्पणी करने वालों की क्या अशोक गहलोत निंदा करेंगे। फडणवीस ने सीएम अशोक गहलोत पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गहलोत ने राजस्थान को नंबर वन बना दिया है। नंबर वन की ये रैंकिंग भ्रष्टाचार, गैंगवार, दुष्कर्म, अनाचार और दुराचार में आई है। गहलोत सरकार के समय में प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है।

पीएम की जमकर तारीफ की

भाषण के दौरान देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक समय वह था, जब चीन ने हमारे देश में घुसकर हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया था। एक समय आज का है, जब चीन और पाकिस्तान भारत की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देख सकते हैं। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पूरा विश्व भारत की तारीफ कर रहा है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश जाकर भारत की निंदा करत हैं। राहुल गांधी ने हाल ही में विदेश में चीन की तारीफ की, जबकि भारत में दूरदर्शिता का अभाव बताते हुए कहा कि भारत इसीलिए तरक्की नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश नरेंद्र मोदी के पीछे है। मोदी 24 घंटे देश के लिए जीते हैं देश के लिए मरते हैं। फडणवीस ने कहा कि भाजपा देश के लिए राजनीति करती है, जबकि कांग्रेस कुर्सी के लिए राजनीति करती है।

जल योजना के करोड़ों डकारे

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत ने कहा कि कांग्रेस ने गरीबों का कल्याण नहीं किया। मोदी सरकार ने आमजन का ध्यान रखा है। सनातन धर्म को खत्म करने वालों को जनता जवाब देगी। उन्होंने कहा कि इस सरकार में आरपीएस के सदस्य खुले आम कहते हैं कि हमने पैसा दिया हैं तो पैसा वसूल भी करेगे। शेखावत ने सोजत की भूमि को भी वीरों के संघर्ष के साथ जोड़ते हुए कहा कि वीर दुर्गादास ने कई बार सोजत को मुगलों से मुक्त करवाया। उन्होंने कहा कि स्टालिन पुत्र उदय निधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पुत्र प्रियांक खड़गे सनातन को खत्म करने की बात करते हैं, जबकि गजनी आया, गौरी आया, अलाउद्दीन खिलजी आया, औरंगजेब आया, सब खत्म हो गए, मगर सनातन कभी खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राजस्थान में घर-घर जल योजना के तहत उन्होंने करोड़ों रुपए राजस्थान को दिए मगर मुख्यमंत्री एवं अधिकारी पैसे डकार गए।

सनी की फिल्म 'इंडियन' से डेब्यू करने वाली थीं ऐश्वर्या राय

सनी देओल इस समय गदर 2 की अपार सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फैंस को अमीषा के साथ सनी की केमिस्ट्री भी खूब पसंद आई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सनी ने एक और एक्ट्रेस के बारे में बात की जो उनके साथ डेब्यू करने वाली थी। सनी ने आप की अदालत से बातचीत के दौरान कहा कि ऐश्वर्या राय बच्चन उनके साथ इंडियन नाम की फिल्म से डेब्यू करने वाली थीं। सनी ने बताया कि वह इंडियन नाम की फिल्म बना रहे थे और ऐश्वर्या को इससे अपना करियर शुरू करना था। कुछ गाने भी शूट किए गए, लेकिन अंततः बजट की समस्या के कारण यह नहीं बन पाई। बता दें कि उस वक्त फिल्म से कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं और

उनमें सनी का एक लुक गदर 2 के उनके लुक से मिलता-जुलता था। इस बातचीत के दौरान सनी ने शाहरुख खान के साथ अपने मनमुटाव के बारे में भी बात की। उन्होंने खुलासा किया कि डर के बाद जो हुआ वह कुछ ऐसा नहीं था जो होना चाहिए था। यह बहुत बचकाना था। उन्होंने 16 साल तक एक-दूसरे से बात नहीं की। बाद में, वे कई कार्यक्रमों के दौरान मिले और विभिन्न चीजों पर बात की। गौरतलब है कि गदर 2 की सक्सेस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सनी ने खुलासा किया था कि आगे वह अपने 2 बनाना चाहते हैं। अभिनेता ने यह भी बताया था कि इसकी स्क्रिप्ट भी तैयार है। सनी ने हंसते हुए कहा था, कई अभिनेत्रियों ने फिल्म में मां का किरदार निभाने से इनकार कर दिया था, लेकिन अब उम्मीद है कि वे सहमत होंगी और हां कहेंगी।

'उलझ' में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जह्नवी कपूर को आखिरी बार नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म बवाल में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ वरुण धवन लीड रोल में थे। इस फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेत्री को खूब तारीफें मिली थीं। इसके बाद वह जल्द ही उलझ नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इसमें वह बिल्कुल नए अवतार में दिखने वाली हैं। अभिनेत्री इसके लिए काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हैं, जहां लोगों को उनकी काबिलियत देखने को मिले जो उनके ग्लैमर अवतार से परे हो। उलझ में सचिन खेडेकर, मियांग चांग, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यूज भी हैं। हाल ही में जान्हवी ने कुछ तस्वीरें साझा कीं और घोषणा की कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा। साथ ही, अभिनेत्री ने बताया कि इससे उन्होंने क्या सीखा। उन्होंने कहा, यह खत्म हो गया है, लेकिन अभी भी उस दुनिया के सपने में हूं, जिन्हें हमने बनाने की कोशिश की थी। प्रत्येक फिल्म एक सबक रही है और इसकी कहानी की गहराई संयोग से मेरे जीवन में होने वाली चीजों के साथ जुड़ी हुई है। मेरे लिए सबसे बड़ी सीख यह रही है कि आप जो करते हैं उससे प्यार करें, पहचानें कि क्या आप इसे सही कारणों से कर रहे हैं, बोझ और बाहरी दबावों और विचारों को जाने दें। अपने आप को तब तक अपनी गति से चलने दें, जब तक आपको विश्वास है कि आप सही जगह जा रहे हैं। अभिनेत्री ने उन पर विश्वास करने के लिए अपने निर्देशक सुधांशु सरिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, ꤰआपने मुझे खुद पर इस तरह से विश्वास दिलाया है कि मुझे यह भी नहीं पता था कि मुझे इसकी आवश्यकता है। आपने मुझे सुना और देखा और मुझे ऐसी लड़ाइयां लड़ने के लिए प्रेरित किया, जिनके बारे में मुझे कभी नहीं पता था कि मुझे इसमें हिस्सा लेने का अधिकार है। आपको प्रत्येक बाधा के सामने मुस्कुराते हुए देखना और प्रत्येक चुनौती को उत्साह के साथ स्वीकार करना प्रेरणादायक रहा। आगे इस पोस्ट में उन्होंने श्रेया देव दुबे का और फिल्म के बाकी के कलाकारों का भी आभार जताया।

'महाराजा' बन दिल जीतने आ रहे विजय सेतुपति

विजय सेतुपति ने अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक निथिलन स्वामीनाथन के साथ हाथ मिलाया है। इस अपकमिंग क्राइम-थ्रिलर का नाम महाराजा रखा गया है। इन दिनों विजय अपनी हालिया रिलीज फिल्म जवान से लोगों का दिल जीत रहे हैं। वहीं, अब महाराजा के फिल्ममेकर ने भी विजय की पॉपुलैरिटी को भुनाने की ठान ली है। अपकमिंग मूवी से एक्टर का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता बेहद खतरनाक नजर आ रहे हैं। महाराजा के फर्स्ट लुक पोस्टर में विजय सेतुपति को कसाई का चाकू पकड़े सलूर कुर्सी पर बैठे देखा जा सकता है। वहीं, अभिनेता के शरीर पर खून के धब्बे और बैकग्राउंड में खड़े पुलिस अधिकारी फिल्म के बारे में कुछ गंभीर कहानी का संकेत दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह विजय सेतुपति की एक और बहुमुखी भूमिका होगी, जिसे देखने में दर्शकों को काफी मजा आएगा। विजय सेतुपति के साथ महाराजा में अनुराग कश्यप, ममता मोहनदास और नट्टी नटराज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुरंगु बोम्मई फेम निथिलन स्वामीनाथन विजय सेतुपति की ऐतिहासिक फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। निर्देशक ने पहले ही आश्वासन दिया था कि महाराजा एक अनूठी फिल्म होगी। महाराजा के फर्स्ट लुक पोस्टर ने अपनी रिलीज के साथ ही फैंस के बीच हलचल बढ़ा दी है। फिल्म से विजय का लुक देखकर एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, विजय सेतुपति दुनिया के नंबर 1 अभिनेता। दूसरे ने लिखा है, एक और मास्टरपीस कैरेक्टर लोड हो रहा है। वहीं, एक अन्य लिखते हैं, लीजेंड अभिनेता विजय सेतुपति सर हमेशा दिल को छूने वाले होते हैं। जवान से अच्छा यह रोल होगा। महाराजा से अभिनेता विजय सेतुपति का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया गया है, लेकिन इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठना अभी भी बाकी है। काम के मोर्चे पर बात करें तो, विजय सेतुपति ने हाल ही में रिलीज फिल्म जवान में एक घातक खलनायक की भूमिका निभाई, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं। एटली का निर्देशन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रहा है, और विजय सेतुपति की शाहरुख खान के साथ कड़ी लड़ाई दर्शकों का मनोरंजन करने में सफल साबित हुई है।

'डॉन 3' में रोमा बनना चाहती हैं शोभिता

खुलासा

साउथ फिल्मों में कमाल के अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली शोभिता धूलिपाला अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में भी अपनी पैर जमा रही हैं। अभिनेत्री का काम और नाम दोनों ही धीरे-धीरे लाइमलाइट में आ रहा है। जहां एक तरफ वह नागा चैतन्या के साथ कथित तौर पर डेटिंग की खबरों के लिए सुर्खियों में रहती हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके प्रोजेक्ट्स की चर्चा भी जोरों पर होती रहती है। मेड इन हेवन 2 में किए गए काम के लिए तारीफ लूटने के बाद शोभिता धूलिपाला का नाम डॉन 3 में रोमा के लिए सुर्खियों में है। कियारा आडवाणी के बाद खबरे थीं कि शोभिता धूलिपाला फिल्म में रोमा के किरदार में नजर आएंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में शोभिता ने इस बारे में बात की। जब से फरहान अख्तर ने घोषणा की है कि रणवीर सिंह डॉन 3 में मुख्य भूमिका निभाएंगे, तभी से फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के नाम को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि डॉन फेंचाइजी की तीसरी फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका कौन निभाएगा। कृति सेनन और कियारा आडवाणी जैसी अभिनेत्रियों के नामों रिपोर्ट्स आने के बाद शोभिता धुलिपाला का नाम भी खूब चर्चा में था। अब शोभिता धूलिपाला ने एक इंटरव्यू में डॉन 3 में काम करने की इच्छा व्यक्त की है। एक इंटरव्यू में शोभिता धूलिपाला ने डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया। अभिनेत्री ने कहा कि वह डॉन 3 का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित होंगी। शोभिता ने कहा कि मेड इन हेवन 2 आने के बाद, ऐसे कई लोग थे जो कहते थे, तारा साहसी है और तारा की ऊर्जा रोमा की तरह है। यह तुलना अच्छी थी। मुझे डॉन फेंचाइजी की फिल्में पसंद हैं। रोमा के रूप में प्रियंका ने शानदार काम किया था। बस यह संभावना कि लोगों ने सोचा कि मैं भी वह कर सकती हूं, यह काफी आश्चर्यजनक था। मुझे डॉन 3 के लिए ऑडिशन देना अच्छा लगेगा। बता दें, पिछले दिनों फरहान अख्तर ने डॉन 3 का एलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि इस बार शाहरुख खान नहीं, बल्कि रणवीर सिंह डॉन का किरदार निभाएंगे।

जवान ने सप्ताहांत में कमाए 520.79 करोड़ रु.

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म जवान ने अपनी रिलीज के पहले सप्ताहांत में दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 520.79 करोड़ रुपए कमाए हैं। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। तमिल फिल्मकार एटली द्वारा निर्देशित फिल्म गत बृहस्पतिवार को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की गई थी। फिल्म में खान के अलावा, नयनतारा और विजय सेतुपति भी हैं और दीपिका पादुकोण की संक्षिप्त भूमिका है। जवान के निर्माण में शामिल प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर कमाई की जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की। पोस्ट में लिखा गया है, बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचते हुए दुनियाभर में कमाए 520.79 करोड़ रुपए। यह सप्ताहांत में अबतक की सबसे ज्यादा कमाई है। निर्माताओं के अनुसार, एक्शन थ्रिलर फिल्म जवान ने पहले दिन 129.6 करोड़ रुपए कमाए थे जो हिंदी सिनेमा की दुनियाभर में पहले दिन इतनी कमाई करने वाली पहली फिल्म है।

रजनीकांत की अगली फिल्म होगी 'थलाइवर 171'

सुपरस्टार रजनीकांत हाल ही में तमन्ना भाटिया के साथ फिल्म जेलर में नजर आए थे। यह फिल्म उनके प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त हिट रही। फिल्म और सुपरस्टार के अभिनय की प्रशंसा दर्शकों समेत कई फिल्मी सितारों ने भी की। वहीं अब सभी की निगाहें उनकी अगली फिल्म पर टिकी हैं। अब रजनीकांत के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। आधिकारिक तौर पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा हो चुकी है। सोशल मीडिया पर रजनीकांत की अगली फिल्म की घोषणा की गई, जो लोकेश कनगराज के जरिए लिखित और निर्देशित है। एक ओर जहां निर्देशक कनगराज, साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के साथ लियो की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, वहीं रजनीकांत भी जेलर की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अब कनगराज और रजनीकांत अपनी अगली फिल्म के लिए साथ आए हैं। सन पिक्चर्स ने आज सोमवार को एक्स (ट्विटर) पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा की। कलानिधि मारन द्वारा प्रस्तुत, फिल्म का नाम अस्थायी रूप से थलाइवर 171 रखा गया है, जो एक अभिनेता के रूप में रजनीकांत की 171वीं फिल्म है। सन पिक्चर्स द्वारा की गई घोषणा में कहा गया है, ꤰहमें सुपरस्टार रजनीकांत की थलाइवर 171 की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। लोकेश कनगराज द्वारा लिखित और निर्देशित है।

लोकेश को कुछ मेगा-सफल फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है, जैसे 2023 में विजय और तृषा कृष्णन अभिनीत लियो, 2022 में कमल हासन और विजय सेतुपति अभिनीत विक्रम और कार्ती अभिनीत कैथी फ्रेंचाइजी। उन्होंने 2023 की फिल्म भोला के लिए बॉलीवुड स्टार अजय देवगन के साथ भी काम किया है। वहीं, बात करें रजनीकांत की तो 10 अगस्त को रिलीज हुई जेलर बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई। सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी जेलर में रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ कैमियो रोल में हैं।

कोहली ने तोड़ा तेंदुलकर का 19 साल पुराना रिकॉर्ड, बनाए '13 हजार रन'

कोलंबो। विराट कोहली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 13,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने आदर्श खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। वह वनडे में 13,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पांचवें और भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। तेंदुलकर पाकिस्तान के खिलाफ ही रावलपिंडी में 16 मार्च 2004 को इस मुकाम पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने 330 मैचों की 321वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की जबकि कोहली 278वें मैच की 267वीं पारी में इस मुकाम पर पहुंचे।

कुलदीप यादव की चली फिरकी, पांच विकेट झटके

पाकिस्तान के खिलाफ रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी जीत

कोहली-राहुल के शतक, भारत ने पाकिस्तान को 228 रन से हराया

भारत ने वर्षा से प्रभावित एशिया कप के सुपर-4 में पाक को रौंदा

भाषा ⏭ कोलंबो

विराट कोहली और लोकेश राहुल के नाबाद शतक और दोनों के बीच अटूट दोहरी शतकीय साझेदारी के बाद कुलदीप यादव की फिरकी के जादू से भारत ने वर्षा से प्रभावित एशिया कप के सुपर चार मुकाबले में सोमवार को यहां पाकिस्तान को 228 रन से हरा दिया। पाकिस्तान के खिलाफ रनों के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत के 357 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप (25 रन पर पांच विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने 32 ओवर में 128 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए कोहली ने अपने 47वें शतक के दौरान 94 गेंद में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 122 रन बनाए। उन्होंने चार महीने से अधिक समय बाद पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल रहे राहुल (नाबाद 111 रन, 106 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 233 रन की अटूट साझेदारी भी की जिससे भारत ने दो विकेट पर 356 रन बनाकर पाकिस्तान के खिलाफ अपने सर्वोच्च स्कोर की बराबरी की। कोहली और राहुल की बदौलत भारत अंतिम 10 ओवर में 105 रन जोड़ने में सफल रहा। कोहली का यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम में यह लगातार चौथा शतक है। रविवार को लगातार बारिश के कारण यह मुकाबला बीच में रोकना पड़ा था और सोमवार को रिजर्व दिन मुकाबला आगे खेला गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पांचवें ओवर में ही इमाम उल हक का विकेट गंवा दिया जिन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर शुभमन गिल को कैच थमाया। कप्तान बाबर आजम भी 24 गेंद में 10 रन की धीमी पारी खेलने के बाद 11वें ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश के कारण एक घंटे से अधिक समय तक खेल रुका रहा। खेल दोबारा शुरू होने पर शारदुल ठाकुर ने चौथी ही गेंद पर मोहम्मद रिजवान (02) को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन किया। सलामी बल्लेबाज फखर जमां और आगा सलमान ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। फखर 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप की गेंद पर स्लिप में रोहित ने उनका कैच टपका दिया। फखर हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और 27 रन बनाने के बाद कुलदीप के अगले ओवर में बोल्ड हो गए। कुलदीप ने सलमान (23) को पगबाधा करके पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 96 रन किया। पाकिस्तान के रनों का शतक 25वें ओवर में पूरा हुआ। कुलदीप ने शादाब खान (06) और इफ्तिखार (23) को लगातार ओवरों में आउट किया। कुलदीप के अगले ओवर में शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 07) ने पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन इस स्पिनर ने तीन गेंद बाद फहीम अशरफ (04) को बोल्ड करके भारत की जीत सुनिश्चित की। हारिस राउफ और नसीम शाह चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। इससे पहले भारत ने कल 24.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बना बनाए थे।

भारत- 356/2(50)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा का फहीम बो शादाब	56
शुभमन गिल का सलमान बो शाहीन	58
विराट कोहली नाबाद	122
लोकेश राहुल नाबाद	111

अतिरिक्त: 09
कुल:50 ओवर में दो विकेट पर: 356 रन
गेंदबाजी: शाहीन 10-0-79-1, नसीम 9.2-1-53-0, फहीम 10-0-74-0, राउफ 5-0-27-0, शादाब 10-1-71-1, इफ्तिखार 5.4-0-52-0

पाक-128/10 (32)

खिलाड़ी	रन
फखर जमां बो कुलदीप	27
इमाम का गिल बो बुमराह	09
बाबर आजम बो पंड्या	10
रिजवान का राहुल बो ठाकुर	02
सलमान पगबाधा बो कुलदीप	23
अहमद का एवं बो कुलदीप	23
शादाब खान का ठाकुर बो कुलदीप	06
फहीम अशरफ बो कुलदीप	04
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	07
नसीम शाह एब्सेंट हर्ट	00
हारिस राउफ एब्सेंट हर्ट	00

अतिरिक्त: 17
कुल:32 ओवर में सभी विकेट खोकर: 128 रन
गेंदबाजी: बुमराह 5-1-18-1, सिराज 5-0-23-0, पंड्या 5-0-17-1, ठाकुर 4-0-16-1, कुलदीप 8-0-25-5, जडेजा 5-0-26-0

एक नज़र

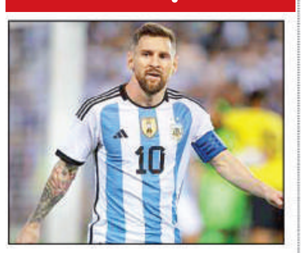

मेसी का आज के मैच में खेलना तय नहीं

साओ पाउलो। विश्व चैंपियन लियोनेल मेसी का मंगलवार को घरेलू टीम के खिलाफ अर्जेंटीना के फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग मैच से पहले स्वागत करने के लिए बोलीविया के प्रशंसक यहां के ला पाज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एकत्र हुए। छत्तीस साल के मेसी विश्व कप विजेता टीम के साथ यात्रा कर रहे है लेकिन थकान के कारण आगामी मैच में उनका खेलना तय नहीं है। पिछले शुक्रवार को ब्राजील ने बोलीविया पर 5-1 की जीत में दर्ज की थी। यह नये कोच फर्नांडो डिनिज की देखरेख में टीम का पहला मैच था।

सिंधू ने एक सप्ताह तक किया अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कोच विमल कुमार का मानना है कि पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन कर रही ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को फिर से लय हासिल करने के लिए अपने खेल में कुछ तकनीकी बदलाव करना पड़ेगा। सिंधू ने लय हासिल करने के लिए दिग्गज प्रकाश पादुकोण की देखरेख में एक सप्ताह तक बेंगलुरु स्थिति प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में अभ्यास किया। पिछले अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान टखने की चोट के बाद सिंधू के प्रदर्शन में गिरावट आयी है।

कांस्य पदक का प्लेआफ हारे धीरज

हर्मोसिल्लो। दो बार के ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन को 6-2 से हराकर उम्मीदें जगाने वाले धीरज बोम्मादेवरा अगले दो मैच हार गए और तीरंदाजी विश्व कप फाइनल से खाली हाथ लौटे। भारत ने टूर्नामेंट में एकमात्र रजत पदक जीता जो प्रथमेश जावकर ने कंपाउंड वर्ग में दिलाया। विश्व कप में सत्र के आखिरी फाइनल में पांच सदस्यीय दल भेजने के बावजूद भारत की झोली में एक ही पदक आया। सेना का यह 22 वर्ष का तीरंदाज हालांकि कोरिया के ही ली वू सियोक से 1-7 हार गया। तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में उन्हें मेडेलिन विश्व कप विजेता इटली के माउरो नेसपोली ने 6-5 से हराया।

विश्व कप : बोल्ट, नीशाम न्यूजीलैंड टीम में शामिल

एजेंसी ⏭ आकलैंड

केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने वाले ट्रेंट बोल्ट और जिम्मी नीशाम को भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। पिछली बार मार्च में न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले केन विलियमसन आईपीएल के दौरान लगी एसीएल चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं। अभी यह पता नहीं है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच अक्टूबर को पहला मैच खेल सकेंगे या नहीं।

न्यूजीलैंड की टीम 2019 विश्व कप फाइनल में सुपर ओवर के बाद भी टाई रहने पर चौकों छक्कों की गिनती पर इंग्लैंड से हार गई थी। विलियमसन और टिम साउदी का यह चौथा विश्व कप है। वहीं बोल्ट, मैट हेनरी और टॉम लाथम तीसरी बार टूर्नामेंट खेलेंगे। मार्क चैपमैन, डेवोन कोंवे, डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स पहली बार वनडे विश्व कप खेलेंगे। स्पिन हरफनमौला रचिन रविंद्र और बल्लेबाज विल यंग का सफेद गेंद से यह पहला टूर्नामेंट है।

न्यूजीलैंड टीम

केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कोंवे, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, जिम्मी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनेर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, विल यंग।

मेसी के बिना 3-2 से जीता इंटर मियामी

फोर्ट लाउडरहिल। सुपरस्टार फॉरवर्ड लियोनल मेसी के बिना खेलने वाली इंटर मियामी की टीम ने मेजर सॉकर लीग में स्पोर्टिंग केंसास को 3-2 से हराया। अर्जेंटीना के कप्तान मेसी विश्वकप क्वालीफायर मैचों के चलते इंटर मियामी के लिए नहीं खेल पाए। मेसी मियामी के शनिवार को होने वाले अगले लीग मुकाबले में अटलांटा के खिलाफ खेल सकते हैं। मेसी के अलावा सात अन्य खिलाड़ी भी इस मैच में नहीं खेल पाए। वे विश्वकप क्वालफायर के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ गए। मैच गोल करने की शुरुआत स्पोर्टिंग केंसास के डेनियल सल्लोई ने नौवें मिनट में की। हालांकि मियामी ने इस बढ़त को ज्यादा देर तक रहने नहीं दी और 25वें मिनट में लियोनार्डो कैंपाना पेनाल्टी पर गोल करके इंटर मियामी की मैच में वापसी करा दी। इस बीच, कैंपाना ने 45वें मिनट में बॉक्स के अंदर से अपना दूसरा गोल करके मियामी को 2-1 से बढ़त दिलाई। मियामी पहले हाफ में 2-1 से आगे रहा। दूसरे हाफ में गोल की शुरुआत मियामी ने की। मियामी के फ्रैसुंडो फरियास ने 60वें मिनट में शानदार गोल दागकर मियामी को मैच 3-1 की उपयोगी बढ़त दिलाई। इसके बाद मियामी की टीम के खिलाफ एक गोल और हो गया। स्पोर्टिंग केंसास के ऐलिन पुलिडो 78वें मिनट में गोल करने सफल जरूर रहे, लेकिन वह सिर्फ हार का अंतर ही कम कर पाए।

रऊफ ने मैच के रिजर्व दिन नहीं की गेंदबाजी

कोलंबो। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ मांसपेशियों में खिंचाव के कारण भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर फोर मैच में सोमवार को मैदान पर नहीं उतरे। रऊफ ने रविवार को पांच ओवर में 27 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच रिजर्व दिन खिंच गया। भारत ने रविवार को 24.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन पर बनाये थे।

बारिश और मैदान के गीले होने कारण सोमवार को रिजर्व दिन भी मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ लेकिन ओवर में कोई कटौती नहीं की गयी। रउफ को रविवार को ही पेट की दाहिने ओर थोड़ी परेशानी का अनुभव हुआ।

सेकंड के सौवें हिस्से से पीटी उषा का रिकॉर्ड तोड़ने से चूकी विथ्या

चंडीगढ़। एशियाई खेलों में भाग लेने वाली आर विथ्या रामराज सोमवार को यहां 'इंडियन ग्रां प्री पांच' के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 55.43 सेकंड का समय लेकर महान पीटी उषा के 39 साल पहले के रिकॉर्ड को तोड़ने से बेहद मामूली अंतर से चूक गई। तमिलनाडु की 24 वर्षीय विथ्या सेकंड के सौवें हिस्से से उषा का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गई। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 55.42 सेकंड के समय के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। यह दूसरा सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाला राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उषा वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

नोवाक जोकोविच सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जीता 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब

04	अमेरिकी ओपन
10	आस्ट्रेलियन ओपन
07	विंबलडन
03	फ्रेंच ओपन

जीता चौथा यूएस ओपन खिताब

जोकोविच का यह चौथा यूएस ओपन टाइटल है। उन्होंने इससे पहले 2011, 2015 और 2018 में यूएस ओपन खिताब पर कब्जा किया था। जोकोविच ने रिकॉर्ड 36वीं बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई और 24 टाइटल अपने नाम किए।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

खिलाड़ी	ग्रैंड स्लैम
नोवाक जोकोविच	24
मार्गरेट कोर्ट	24
सेरेना विलियम्स	23
रफेल नडाल	22
स्टेफी ग्राफ	22
रोजर फेडरर	20

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन फाइनल में रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर रिकॉर्ड 24वां ग्रैंडस्लैम जीता। वह पुरुष एकल वर्ग में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। स्पेन के रफेल नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम हैं और रोजर फेडरर 20 ग्रैंडस्लैम जीतकर रिटायर हुए।

उन्होंने सेरेना विलियम्स को पछाड़ा जिनके नाम 23 ग्रैंडस्लैम हैं। ओपन युग में 24 ग्रैंडस्लैम जीतने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं हालांकि मार्गरेट कोर्ट के भी इतने ही खिताब हैं लेकिन उनमें से 13 पेशेवरों को स्लैम टूर्नामेंटों में शामिल किए जाने से पहले के हैं। यह उनका चौथा अमेरिकी ओपन खिताब है। वह कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण एक साल पहले यहां नहीं खेल सके थे। उन्होंने दस आस्ट्रेलियाई ओपन, सात विंबलडन और तीन फ्रेंच ओपन भी जीते हैं।

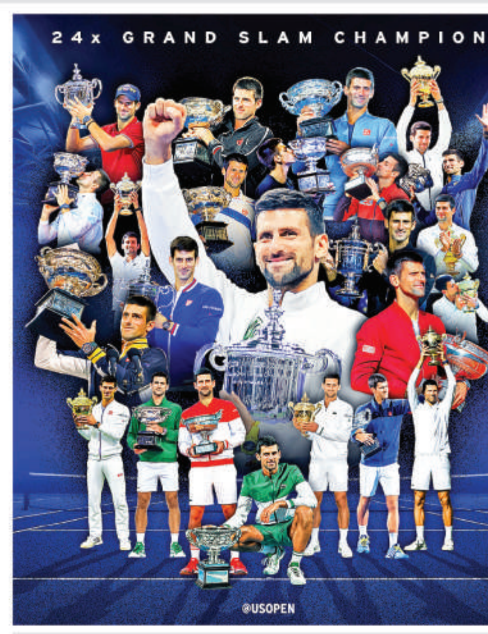

ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी

जोकोविच ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच इससे पहले सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम (मेंस और विमेंस सिंगलस) जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स (23 ग्रैंड स्लैम) की बराबरी पर थे। मार्गरेट कोर्ट भी कुल 24 ग्रैंड स्लैम जीती हैं, लेकिन उनमें से 13 टाइटल ओपन एरा से पहले अपने नाम की थीं। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराया : न्यूयॉर्क के मार्गरेट कोर्ट में खेले गए फाइनल में जोकोविक ने डेनियल मेदवेदेव को कड़े मुकाबले में 6-3, 7-6, 6-3 से हराया। 36 साल के जोकोविच ने पहला सेट 6-3 से आसानी से जीता। दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जोकोविच ने दूसरा सेट भी 7-6 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में 6-3 से आसानी से जीत दर्ज कर उन्होंने रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया।

एशियाई खेल : अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश की टीम 2014 में बनी थी चैंपियन

स्वर्ण से शुरू हुआ सफर उसी पर करुंगा खत्म

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ 2014 एशियाई खेलों के फाइनल में दो पेनल्टी स्ट्रोक बचाकर भारतीय हॉकी टीम की खिताबी जीत के सूत्रधार रहे अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरू हो रहे अपने आखिरी एशियाई खेलों में उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहते हैं।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन में अहम योगदान देने वाले श्रीजेश ने इंटरव्यू में कहा, 'यह मेरा आखिरी एशियाई खेल है। मैने स्वर्ण के साथ शुरुआत की थी और उसी के साथ विदा लेना चाहता हूं। एशियाई खेलों की खूबसूरती यही है कि हॉकी में हम सीधे ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर सकते है। मैने हालांकि इसका कभी दबाव महसूस नहीं किया। हमें अपनी क्षमता और ख्याति के अनुरुप खेलना है क्योंकि टोक्यो ओलंपिक के कांस्य के बाद हाल ही में हमने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती।'

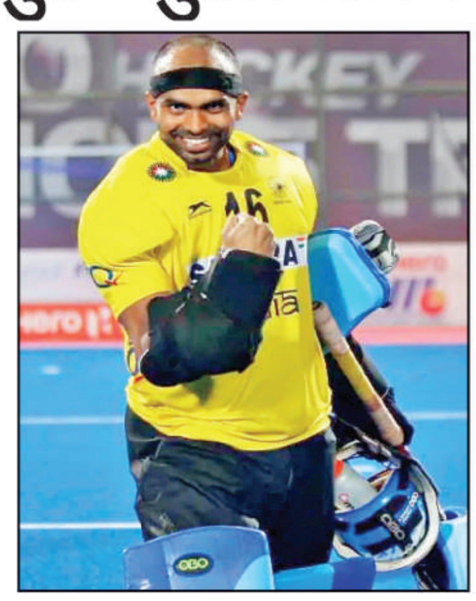

आखिरी बार 2014 में जीते थे पदक

भारत ने आखिरी बार 2014 में ही एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। पिछली बार 2018 में भारत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टीम अभी तक तीन स्वर्ण (1966, 1998 और 2014), नौ रजत (1958, 1962, 1970, 1974, 1978, 1982*, 1990, 1994, 2002) और तीन कांस्य (1986,2010,2018) जीत सकी है।

नहीं दे पा रहे नतीजे

श्रीजेश ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आप ज्यादातर यूरोपीय टीमों से खेलते हैं और अचानक एशियाई टीमों से खेलना थोड़ा कठिन होता है। हम खिताब के दावेदार माने जा रहे हैं तो बाकी टीमें हमारे खिलाफ अपना दो सौ फीसदी प्रयास करती हैं। यही वजह है कि हम अपेक्षा के अनुरुप नतीजे नहीं दे पा रहे। इसलिए नहीं कि हम खराब खेलते हैं बल्कि दूसरी टीमें ज्यादा अच्छा खेल जाती है। इस बार हम कोई कोताही नहीं बरतेंगे। टीम मनोवैज्ञानिक से सत्र भी ले रही है जिससे मानसिक तैयारी में काफी मदद मिलेगी।'

रोल मॉडल बनाएं खिलाड़ी

अपने कॅरियर के आखिरी मुकाम पर खड़े श्रीजेश भावी पीढ़ी के गोलकीपरों के लिए रोल मॉडल बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं गोलकीपिंग को अगले स्तर तक ले जाना चाहता हूं और अपनी एक विरासत बनाना चाहता हूं। मैने शंकर लक्ष्मण का काफी नाम सुना था और अब मैं चाहता हूं कि आने वाले समय में नए खिलाड़ी उसी तरह मुझसे प्रेरित हों।'

पाक के खिलाफ भारतीय ओपनर्स ने सही एप्रोच के साथ बल्लेबाजी की

सुनील गावस्कर
की कलम से

बारिश में धुला मैच कई बार मुकाबला हार जाने से बेहतर होता है क्योंकि इससे दोनों टीमों को बराबर अंक मिल जाते हैं। ग्रुप स्टेज पर जब टीम इंडिया की बऐल्लेबाजी के बाद भारत-पाकिस्तान मैच बारिश से धुल गया तो कई प्रशंसकों ने ये सोचकर राहत की सांस ली होगी कि भारत-नेपाल मैच बारिश की भेंट चढ़ भी जाए तब भी टीम इंडिया का सुपर-4 में प्रवेश तय है। अगर मामला नेट रनरेट पर आ जाता तब भी भारत अगले चरण में पहुंचने में कामयाब होता क्योंकि उसने पाकिस्तान के खिलाफ 266 रनों का अच्छा स्कोर बनाया था। यानी ग्रुप चरण इस तरह बनाया गया था कि भारत और पाकिस्तान की टीमें अगले दौर में जगह बना ही लें। आईसीसी के स्तर पर भी भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाता है ताकि इन दोनों टीमों के बीच कम से कम एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला जरूर हो। टीम इंडिया को अब श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे। श्रीलंका के खिलाफ टीम का रिकॉर्ड बुरा नहीं है लेकिन हालिया सीरीज में भारत को बांग्लादेश के खिलाफ उसी के घर में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि मौसम भी अहम भूमिका निभाएगा और अगर सुपर-4 चरण के बाकी सभी मुकाबले बारिश से धुल जाते हैं तो श्रीलंकाई टीम भारत के 3 अंकों के मुकाबले 4 अंकों के साथ फाइनल में जगह बना लेगी। आयोजक इस समीकरण की तो उम्मीद नहीं कर रहे होंगे। ऐसे में घरेलू समर्थकों के साथ श्रीलंका पाकिस्तान की टीम के लिए मुश्किल प्रतिद्वंदी साबित होगी। भूलिए मत कि भारत के सबसे ज्यादा 7 खिताब के बाद एशिया कप की 6 ट्रॉफी श्रीलंका के ही नाम है जबकि पाकिस्तान की टीम 2 बार ही खिताबी जीत हासिल कर सकी है। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय ओपनर्स ने सही एप्रोच के साथ बल्लेबाजी की। दोनों ने न केवल पाकिस्तान के नई गेंद के आक्रमण को दबाव में ला दिया बल्कि टीम को बैकफुट पर भी धकेल दिया।

6 हजार किमी लंबा होगा इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में जी 20 समिट ने दुनिया में भारत की भागीदारी के कई दरवाजे खोले हैं। समिट में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई। भारत, यूएई,सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय यूनियन सहित कुल 8 देशों के इस प्रोजेक्ट का फायदा इजरायल और जॉर्डन को भी मिलेगा। मुंबई से शुरू होने वाला यह नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का विकल्प होगा। यह कॉरिडोर 6 हजार किमी लंबा होगा। इसमें 3500 किमी समुद्र मार्ग शामिल है। कॉरिडोर के बनने के बाद भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने में करीब 40% समय की बचत होगी। अभी भारत से किसी भी कार्गो को शिपिंग से जर्मनी पहुंचने में 36 दिन लगते हैं, इस रूट से 14 दिन की बचत होगी। यूरोप तक सीधी पहुंच से भारत के लिए आयात-निर्यात आसान और सस्ता होगा।

35 सौ किमी का होगा समुद्री मार्ग, इससे 40% कम समय में यूरोप पहुंचेगा भारतीय सामान

भारत से जर्मनी की दूरी सिर्फ 14 दिन में तय होगी

अभी भारत से जर्मनी पहुंचने में लगते हैं 36 दिन

बोखला गया चीन

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि दिल्ली में जी-20 समिट में एक बार फिर अमेरिका ने अपनी पुरानी योजना को आगे बढ़ाया है। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने इस योजना के विस्तार का खाका पेश किया है। चीन का दुनिया में आइसोलेट करने के मकसद के साथ अमेरिका के इस प्रोजेक्ट को अभी अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। गल्फ और अरब देशों में रेललाइन का वादा किया गया है, लेकिन अमेरिका के पास वास्तविक इरादा और क्षमता नहीं है। अमेरिका ने एक बार फिर साबित किया है कि बोला ज्यादा गया, काम कम हुआ है।

इन वजहों से भारत प्रोजेक्ट से जुड़ा

- सबसे पहले भारत और अमेरिका इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में काम कर रहे थे, लेकिन पहली बार दोनों मिडिल ईस्ट में साझेदार बने हैं।
- भारत की मध्य एशिया से जमीनी कनेक्टिविटी की सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान का तोड़ मिल गया है। वह 1991 से इस प्रयास को रोकने की कोशिश कर रहा था।
- भारत के ईरान के साथ संबंध सुधरे हैं, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण ईरान से यूरेशिया तक के रूस-ईरान कॉरिडोर की योजना प्रभावित होती जा रही है।
- अरब देशों के साथ की भागीदारी बढ़ी है, यूएई और सऊदी सरकार भी भारत के साथ स्थायी कनेक्टिविटी बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।
- अमेरिका को उम्मीद है कि इस मेगा कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट से अरब प्रायद्वीप में राजनीतिक स्थिरता आएगी और संबंध सामान्य हो सकेंगे।
- यूरोपीय यूनियन ने 2021-27 के दौरान बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए 300 मिलियन यूरो निर्धारित किए थे। भारत भी इसका भागीदार बना।
- नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विकल्प है। कई देशों के चीन के कर्ज जाल से मुक्ति मिलेगी। जी-20 में अफ्रीकी यूनियन के भागीदार बनने से चीन और रूस के अफ्रीकी देशों में बढ़ती दादागीरी को रोकने में सहायता मिलेगी।

एक नज़र

एआर रहमान के कॉन्सर्ट में भगदड़

चेन्नई। मशहूर संगीत उस्ताद एआर रहमान के कॉन्सर्ट में ठीक से व्यवस्था न होने के कारण दर्शकों

की भीड़ को खड़े होने की जगह नहीं मिली। इतना ही नहीं कुछ दर्शकों के पास कॉन्सर्ट की टिकट भी थी, लेकिन भारी भीड़ होने के कारण उन्हें अंदर जाने की परमिशन नहीं मिली। इसके बाद भगदड़ मचना शुरु हो गई। लोगों की शिकायत के बाद एआर रहमान ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिक्रिया दी है। साथ उनके पैसे वापस करने का आश्वासन दिया है।

भतीजे अभिषेक को ईडी का समन

कोलकाता। टीएमसी नेता अभिषेक बेनर्जी को ईडी ने एक बार फिर समन भेजा है। प्रवर्तन निदेशालय

की इस कार्रवाई पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अभिषेक बेनर्जी को परेशान किया जा रहा है। उसके खिलाफ कुछ भी नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार उनके परिवार को बेवजह परेशान कर रही है। ममता बनर्जी ने इंडिया बनाम भारत पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जी-20 के कार्यक्रमों से इंडिया नाम को हटाना गलत है। आज एक सरकार है, कल दूसरी सरकार आ जाएगी।

उदयनिधि ने भाजपा को सांप बताया

चेन्नई। सनातन धर्म पर विवादित कमेंट करने के बाद तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने

विरोधी पार्टियों पर निशाना साधा है। उदयनिधि ने भाजपा की तुलना जहरीले सांप से की। साथ ही उनके सहयोगी दल एआईएडीएमके को कूड़े का ढेर कहा। उदयनिधि कुड्डालोर जिले के नेवेली में डीएमके विधायक सभा राजेंद्रन की पारिवारिक शादी में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। बता दें कि इससे पहले भी अपने विवादित बयानों के लिए उदयनिधि विवादों में रहे हैं।

राजस्थान की राजनीति में मिर्धा परिवार का बड़ा कद

राजस्थान में कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका जाट नेता ज्योति मिर्धा हुईं भाजपा में शामिल

नागौर से अगला लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं ज्योति

2009 में कांग्रेस के टिकट पर चुनी गईं थी सांसद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजस्थान में कांग्रेस की बड़ी नेता तथा पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गईं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले यह कांग्रेस के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। चर्चा है कि भाजपा अगले लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा को नागौर से उम्मीदवार बना सकती है। मिर्धा परिवार का राजस्थान की राजनीति में कई दशकों से दबदबा रहा है। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में ज्योति मिर्धा ने सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर राजस्थान भाजपा के प्रभारी अरुण सिंह तथा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी मौजूद थे। ज्योति मिर्धा ने कहा कि राजस्थान में बढ़ते महिला अत्याचार, ध्वस्त होती कानून-व्यवस्था एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी के कारण मैंने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार की सदस्य बनकर राष्ट्रनिर्माण में सदैव तत्पर रहूँगी।

आरएलपी नेता एवं सांसद हनुमान बेनीवाल की बढ़ सकती है मुश्किल

दिग्गज जाट नेता नाथूराम मिर्धा की पोती हैं ज्योति

राजस्थान के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आना इस जाट बाहुल्य इलाके में भाजपा का मास्टर स्ट्रोक कहा जा रहा है, तो वहीं इस बड़े सियासी उठापटक से आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल को एक तगड़ा प्रतिद्वंदी मिल गया है। गौरतलब है कि तकरीबन 70 साल पहले 1952 में नाथूराम मिर्धा ने सक्रिय सियासत में कदम रखा। इसके बाद में चार बार विधायक और छह बार लोकसभा सांसद रहे। मिर्धा के पुत्र भानु भी सांसद रह चुके हैं।

पूरा मिर्धा परिवार सियासी किस्मत आजमा चुका है

अब ज्योति मिर्धा के हाथों मिर्धा परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। मिर्धा परिवार से रामनिवास मिर्धा भी दिग्गज नेता रहे हैं, साथ ही विजयपाल मिर्धा, रिछपाल मिर्धा और हरेंद्र मिर्धा सरीखे नेता भी इस परिवार से अपनी सियासी किस्मत आजमा चुके हैं। ज्योति ने साल 2009 में लोकसभा चुनाव जीत कर अपनी सियासी पारी की शुरुआत की थी। हालांकि 2014 और 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

जाट बाहुल्य इलाकों पर पड़ सकता है असर

भाजपा के इस मास्टर स्ट्रोक से न सिर्फ नागौर की सियासत पर असर पड़ेगा, बल्कि राजस्थान के जाट बाहुल्य इलाकों में इसका असर देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि ज्योति मिर्धा नागौर से कांग्रेस सांसद रह चुकी है। साल 2019 में कांग्रेस ने उन्हें नागौर में हनुमान बेनीवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था हालांकि चुनाव में ज्योति मिर्धा को हनुमान बेनीवाल से शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

राम मंदिर पर उद्धव ठाकरे का बयान

भाजपा बोली- कुछ लोग सत्ता के लालच में आज क्या कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राम मंदिर पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए निंदा की है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा, मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि यह पूरा गठबंधन, जो पीएम मोदी के खिलाफ है, वोट के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी ठाकरे के बयान के बाद उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बालासाहेब (शिवसेना के दिवंगत संस्थापक और उद्धव ठाकरे के पिता) ने आज क्या सोचा होगा और सत्ता के लालच में उद्धव ठाकरे आज क्या कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी इस बयान के बाद उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बालासाहेब (शिवसेना के दिवंगत संस्थापक और उद्धव ठाकरे के पिता) ने आज क्या सोचा होगा और सत्ता के लालच में उद्धव ठाकरे आज क्या कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा, कुछ लोग सत्ता के लालच में अपनी विचारधारा भूल गए हैं। जब सनातन धर्म के बारे में इतनी सारी बातें कही गईं तो राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे ने एक शब्द भी नहीं कहा। रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं भगवान राम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि उन्हें कुछ सद्बुद्धि दें. ये एक शर्मनाक और अशोभनीय टिप्पणी है। हम इसकी निंदा करते हैं। खबरों के अनुसार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को जलगांव में एक जनसभा के दौरान ये टिप्पणी की थी।

उद्धव ठाकरे ने क्या कहा था?

उद्धव ठाकरे ने कहा था, आने वाले दिनों में राम मंदिर का उद्घाटन होगा। संभावना है कि उद्घाटन के लिए देशभर से कई हिंदुओं को बुलाया जाएगा और समारोह खत्म होने के बाद लोगों के लौटने पर वे गोधरा कांड जैसा कुछ कर सकते हैं। राम मंदिर का उद्घाटन जनवरी 2024 में होने की संभावना है।

ममता ने बदले मंत्रियों के विभाग

बाबुल सुप्रियो से पर्यटन छीन इंद्रनील को दी जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की स्पेन और दुबई यात्रा से पहले कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा जोरों पर थी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपनी रवानगी से पहले सोमवार को कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल कर दिया। इस फेरबदल से दो बातें स्पष्ट हैं। एक तो ममता ने बाबुल सुप्रियो की जिम्मेदारी कम कर दी।

साथ ही वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की अहमियत बढ़ गई है। बाबुल से पर्यटन विभाग छीन कर इंद्रनील सेन को दे दिया है। इंद्रनील पूर्व में पर्यटन विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री थे। वन के साथ, सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक पुनर्निर्माण कार्यालयों में से एक ज्योतिप्रियो को दिया गया है। अब बाबुल के पास आइटी और इलेक्ट्रानिक्स के अलावे पर्यटन की जगह असामान्य ऊर्जा विभाग रहेगा।

शिवाजी के खिलाफ पोस्ट से भड़की हिंसा

पथराव-आगजनी, 2 की मौत, 8 घायल; इलाके में इंटरनेट बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के सतारा जिले की खटाव तहसील में रविवार 10 सितंबर की रात एक समुदाय ने दूसरे समुदाय के लोगों के घरों पर पथराव किया, जिसके बाद वहां हिंसा भड़क गई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। 9 सितंबर को एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर शिवाजी महाराज के खिलाफ पोस्ट की थी। इसके बाद से तनाव का माहौल था। पुसेसावाली गांव से हिंसा शुरू हुई थी। हालात काबू करने के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

पुलिस ने पोस्ट करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने गांव में पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने सड़क किनारे खड़े वाहनों में भी आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सातारा के एसपी समीर शेख पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

जालना के आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस होंगे

मराठा आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक में सीएम शिंदे का ऐलान, विरोध में ठाणे बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर मराठा समाज ने ठाणे बंद का ऐलान किया है। मराठा आंदोलन पर सीएम एकनाथ शिंदे ने सर्वदलीय बैठक में ऐलान किया कि जालना में आंदोलनकारियों पर दर्ज सभी मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएंगे। राज्य में मराठा आरक्षण आंदोलन के संबंध में जो भी अपराध दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लिया जाएगा। बैठक में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के अलावा राधाकृष्ण विखे पाटिल, सुनील तटकरे, रेखा ठाकुर, कपिल पाटिल, छगन भुजबल, अनिल परब, राजेश टोपे, जयंत पाटिल, सदाभाऊ खोत, संभाजी राजे, बालासाहेब थोराट, विजय वड्डेटीवार शामिल रहे।

प्रदर्शनकारियों की क्या हैं मांगें

मराठा आरक्षण के लिए पिछले कुछ हफ्तों से भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने महाराष्ट्र सरकार के साथ व्यापक बातचीत की है। जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण को लेकर राज्य

सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में बदलाव की मांग की है। उनका रुख है कि जब तक अध्यादेश में अपेक्षित बदलाव नहीं किया जाता, आमरण अनशन जारी रहेगा। अध्यादेश में कहा गया है कि मराठवाड़ा के जिन लोगों की वंशावली में कुनबी का उल्लेख है, उन्हें कुनबी मराठा के रूप में जाति प्रमाण पत्र दिया जाएगा। हालांकि, मनोज जारांगे पाटिल ने मांग की है कि अध्यादेश को बदला जाए ताकि महाराष्ट्र के सभी मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र दिया जाए क्योंकि उनके पास कोई वंशावली दस्तावेज नहीं हैं।

140 भेड़ों की मौत भी हो गई

बारिश से आफत! यूपी में 19 लोगों की मौत, उत्तराखंड में भूस्खलन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश की वजह से लोगों पर आफत टूट पड़ी है। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं जबकि दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव देखा गया। यूपी में बारिश से जुड़ी अलग अलग घटनाओं में 19 व्यक्तियों और 140 भेड़ों की मौत हो गई। बारिश के कारण उत्तराखंड में भी भूस्खलन हुआ है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए अगले कुछ दिनों में और भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

आईएमडी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। बारिश के इस मौसम में आप सभी लोगों से आग्रह है कि कच्चे और भारी जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और एक या दो जगहों पर बारिश की संभावना जताई है. तटीय आंध्र प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने कहा कि 11 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है. तेलंगाना के हैदराबाद में भी भारी बारिश हुई है।

महिला एडवोकेट ने जोरदार तरीके से पेश किया केस

सीजेआई ने कहा ऐसी ही संजीदगी दिखना चाहिए

महिला एडवोकेट के तेवरों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को भी इंप्रेस कर दिया,वकीलों को दे दिया बड़ा सुझाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तारीख पर तारीख और तारीख। भारत की अदालतों की एक बड़ी व्यथा है। वकील केस में बहस करने के बजाए तारीख लेने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के कई जज इस बात पर आपत्ति जता चुके हैं।

लेकिन इन सारे घटनाक्रमों के बीच एक महिला एडवोकेट के तेवरों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को भी इंप्रेस कर दिया। वकील की बहस सुनकर वो इस कदर प्रभावित हुए कि रिट को डिसमिस कर बोले- उम्मीद है कि आपकी बहस फिर से अपनी कोर्ट में देखने को मिली। वकील ने जिस तरह से अपनी पीआईएल के लिए दलीलें पेश कीं वो सीजेआई को इंप्रेस कर गईं। उनका कहना था कि अपने केस को लेकर ऐसी ही संजीदगी दिखनी चाहिए। वकीलों को अपने केस को लिस्ट कराने के लिए एड़ी चोटी का जोर मारना चाहिए।

केस को लिस्ट कराने के लिए एडी चोटी का जोर जरूरी

सीजेआई खुद करते हैं पीआईएल की सुनवाई

एक रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई कोर्ट नंबर 1 में पीआईएल की सुनवाई कर रहे थे। हालांकि जनहित याचिकाओं पर पहले कई अदालतों में सुनवाई हो जाती थी। लेकिन नए नियम के तहत सीजेआई ने ऐसी सारी याचिकाओं पर खुद सुनवाई करने का फैसला किया है। इसी क्रम के तहत महिला वकील ने अपना केस सीजेआई के सामने रखा। एडवोकेट ने दलीलें देकर बताने की कोशिश की कि ये केस कितना अहम है।ध्यान रहे कि अक्सर वकील केस की सुनवाई के दौरान तारीख लेने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। उनके इस रवैया पर सुप्रीम कोर्ट के एक जस्टिस ने तीखी टिप्पणी भी की थी। उनका कहना था कि शीर्ष अदालत तक पहुंचने में किसी भी शख्स का बहुत सारा पैसा और समय लगता है। ऐसे में वकीलों को चाहिए कि वो केस की सुनवाई के दौरान अपनी दलीलें कोर्ट में रखें। लेकिन एडवोकेट तुरंत तारीख लेने की जुगत भिड़ाने लग जाते हैं।

आला नेताओं के बीच वॉर रूम में बना जीत का स्पेशल प्लान

जन कल्याणकारी योजनाओं के दम पर घर-घर पहुंचेगी कांग्रेस

हिलव्यू समाचार
जयपुर। विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिए गठित राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कैंपेन कमेटी की बैठक सोमवार को चेयरमैन गोविंदराम मेघवाल की अध्यक्षता में जयपुर के कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम में हुई। बैठक में यह तय हुआ है कि ईआरसीपी को मुद्दा बनाकर कांग्रेस यात्रा निकालेगी और 13 जिलों में पांच दिन की यात्रा के दौरान मूवमेंट चलाएगी। इस बैठक में चुनाव अभियान का रोड मैप भी तय किया गया हैं। वहीं प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लाभार्थी सम्मेलन करके योजनाओं के दम पर वोटर्स को रिझाने का भी फैसला लिया गया हैं। इस बैठक में तय हुआ कि कांग्रेस सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग, हर उम्र और हर घर तक पहुंचेगी।

भाजपा को करेंगे बेनकाब

पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा कि कैंपेन कमेटी की बैठक में सबकी राय जानी गई है। सब एक रोड मैप बनाएंगे और हम जल्दी एक-दो दिन में हमारी कैंपेनिंग की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी के 13 जिलों में हम इसी महीने पांच दिन की यात्रा निकालेंगे। हम भाजपा और केंद्र सरकार को एक्सपोज करेंगे की वसुंधरा राजे के शासनकाल में बनाए ईआरसीपी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया गया। हर विधानसभा क्षेत्र में लाभार्थी सम्मेलन किए जाएंगे।

प्रचार-प्रसार को लेकर भी कसी कमर

बैठक में सभी सदस्यों ने सुझावों पर चर्चा करते हुए प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में प्रचार-प्रसार के लिए रूप-रेखा पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि प्रदेश में राजस्थान की कांग्रेस सरकार की ओर से किए जा रहे लोक कल्याण के कामों के आधार पर प्रचार अभियान चलाते हुए ईआरसीपी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर केन्द्र की भाजपा सरकार विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई वादाखिलाफी को जनता के बीच उजागर किया जाएगा। इस बैठक में कांग्रेस ने चुनावी प्रचार-प्रसार को लेकर भी कमर कस ली हैं। बैठक में तय हुआ कि जनता की जुबान पर चलने वाले नारे, आकर्षक पोस्टर्स और होर्डिंग पर लाभार्थियों की तस्वीरे बनेगी, जो कैंपेन का हिस्सा रहेगा। वहीं किसान, जवान, दलित आदिवासी अल्पसंख्यक को ध्यान में रखते हुए मुख्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस भाजपा के खिलाफ अभियान शुरू करेगी।

नवाचारों का करेंगे प्रचार

प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा कहा कि सभी ने तय किया है कि जिलों में जाकर गहलोत सरकार की योजनाओं को हर आदमी तक पहुंचाएंगे। सरकार के विकास कार्यों के नवाचार को लेकर हम लोगों के बीच जाएंगे। योजनाओं के लाभार्थियों से विधानसभावार जाकर संवाद करेंगे। राजस्थान में लोगों और कार्यकर्ताओं के बीच जोश बना हुआ है। पहले राहुल गांधी मानगढ़ धाम आए, फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा मे भीड़ आई। अब टोंक में प्रियंका गांधी को सुनने के लिए लोग पहुंचे।

एक नज़र

आवासन मंडल ऑनलाइन परीक्षा में नकल करते दो जनों को दबोचा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। करणी विहार थाना पुलिस ने आवासन मंडल प्रोजेक्ट मैनेजर की ऑनलाइन परीक्षा में अतिरिक्त डिवाइस लगाकर नकल कर रहे दो आरोपियों की गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश चंद विश्नोई ने बताया कि सीएसटी टीम को सूचना मिली कि अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर पर आवासन मंडल प्रोजेक्ट मैनेजर की ऑनलाइन परीक्षा में नकल कराई जाएगी। इस पर टीम ने सेंटर पर जाकर चेक किया तो दो डेस्कटॉप पर अतिरिक्त डिवाइस मिली जो ऑनलाइन परीक्षा के प्रश्नों की कॉपी कर नकल गिरोह वाली टीम को भेजती। उसके बाद गिरोह प्रश्नों के उत्तर की पर्ची तैयार कर परीक्षार्थी तक भेजा जाने का प्लान था।

इस पर टीम ने मौके पर आरोपी प्रदीप कुमार और चेतराम मीना को दबोच लिया। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी प्रदीप हरियाणा में भी नकल मामले में गिरफ्तार हो चुका है। आरोपियों ने आवासन मंडल का पेपर हल करने के लिए 15 लाख में डील तय की थी।

खोले के हनुमानजी मंदिर से रोप-वे का ट्रायल शुरू

हिलव्यू समाचार
जयपुर। खोले के हनुमानजी मंदिर से पहाड़ी पर स्थित वैष्णो माता मंदिर तक 436 मीटर लंबाई में बने रोप-वे का साधु संतों से सोमवार पूजा अर्चना के बाद ट्रायल किया गया। नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बी.एम. शर्मा ने बताया कि खोले के हनुमानजी मंदिर से वैष्णोदेवी मंदिर तक जाने के लिए श्रद्धालुओं को 121 खड़ी सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है। रोप-वे के शुरू होने से श्रद्धालु आसानी से 4 मिनट के अंदर खोले हनुमानजी मंदिर से वैष्णोदेवी माता मंदिर तक जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री से समय मिलने पर विधिवत शुरुआत करेंगे।

सम्मान समारोह: सरकारी स्कूलों में करोड़ों की लागत से कायापलट करने वाले भामाशाहों को किया सम्मानित

भामाशाहों का योगदान शिक्षा की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजधानी जयपुर में सोमवार को बिड़ला सभागार में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश के सरकारी स्कूलों की कायापलट करने वाले 142 भामाशाहों को सम्मानित किया गया। इनमें से 34 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण और 108 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया गया। वहीं 30 लाख रुपए या अधिक सहयोग राशि के लिए दानवीरों को प्रेरित करने वाले 'प्रेरकों' को भी सम्मानित किया गया। इन भामाशाहों ने कुल 139 करोड़ रुपए की राशि का शिक्षा विभाग को सहयोग किया है। इसके अलावा सभी जिलों में जिला स्तर पर भी यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री कल्ला ने कहा कि भामाशाहों का योगदान शिक्षा विभाग की उन्नति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग भामाशाहों द्वारा प्राप्त दान का उपयोग स्कूलों के गुणात्मक सुधार और विस्तार के लिए कर रहा है।

वहीं कई योजनाएं जैसे निशुल्क शिक्षा, मिड डे मील, बाल गोपाल योजना, स्कूल ड्रेस योजना का संचालन भी सुचारू रूप से किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि हर विद्यालय की मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी में भामाशाहों के प्रतिनिधि का होना अनिवार्य हो।

शिक्षा विभाग ने बनाए छह विश्व रिकॉर्ड

मंत्री कल्ला ने कहा कि शिक्षा विभाग की प्रमुख योजनाओं के कारण राज्य स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक में अग्रणी है। गत वर्ष शिक्षा विभाग ने 6 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। इंस्पायर अवॉर्ड में राज्य के विद्यार्थी लगातार तीन वर्ष से संपूर्ण देश में प्रथम आ रहे हैं। हर वर्ष शिक्षा विभाग की ओर से लगभग 400 करोड़ का व्यय शिक्षण संस्थानों की आधारभूत संरचना के लिए किया जाता है, जिसमें भामाशाहों का योगदान महत्वपूर्ण है।

ज्ञान संकल्प पोर्टल का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री द्वारा परिशिष्ट पुस्तिका और ज्ञान संकल्प पोर्टल स्मारिका 2023 का विमोचन किया गया। इसमें भामाशाहों द्वारा किए गए योगदान और कार्यों का वर्णन किया गया है। ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से अब डोनेशन हो सकेगा। कार्यक्रम में निदेशक कानाराम, राज्य परियोजना निदेशिका समग्र शिक्षा टी शुभा मंगला, विशिष्ठ शासन सचिव शिक्षा विभाग चित्रा गुप्ता, संयुक्त शासन सचिव किशोर कुमार, अतिरिक्त निदेशक अशोक मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विप्र फाउंडेशन ने जताया आभार

बोहरा ने परशुराम शक्ति पीठ के लिए दिए 50 लाख रुपए

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सांसद रामचरण बोहरा ने विप्र फाउंडेशन के मानसरोवर में निर्माणाधीन भवन परशुराम शक्तिपीठ सेंटर फॉर एक्सीलेंस के लिए 50 लाख रुपए का योगदान किया है। बोहरा ने सांसद निधि से 50 लाख रुपए की स्वीकृत कर इसके पत्र की एक प्रति विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों को सौंपी। विप्र फाउंडेशन ने इसके लिए बोहरा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव विनोद अमन, प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल, युवा प्रदेशाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष केदार शर्मा, महामंत्री सतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र हर्ष, संगठन मंत्री पुष्पेंद्र शर्मा, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, सुशील शर्मा पीरनागर सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

अजमेर में बोले पायलट... पार्टी के दम पर बनती है सरकारें

सत्ता और संगठन में अच्छा सामंजस्य, सरकार होगी रिपीट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कांग्रेस के नेता और टोंक विधायक सचिन पायलट ने मंगलवार को अजमेर दौरे के दौरान कहा कि पार्टी के दम पर ही सरकारें बनती हैं और मुझे विश्वास है कि सब लोग मिलकर ही चुनाव लड़ रहे हैं और पार्टी जिताऊ लोगों को टिकट देगी। उन्होंने कहा कि चुनौती बड़ी गंभीर है।

देश में लोकसभा के चुनाव अगले साल हैं। अगर इन चारों राज्यों में कांग्रेस पार्टी जीतती है तो मैं पूरे विश्वास के साथ बोल सकता हूं कि 2024 में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता पुरानी सब बातें भूलकर पूरी ताकत से चुनाव जीतने में जुटा हुआ है। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हर क्षेत्र में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की पूर्ण बहुमत वाली सरकार आमजन के फायदे का कोई काम नहीं कर रही है। नौ साल का यह एक आंकलन लोगों का है। भाजपा सरकार हर क्षेत्र में विफल रही हैं। महंगाई, बेरोजगारी से किसान और नौजवान समेत सब त्रस्त हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राजस्थान में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनेगी। इसके अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व तेलगांना में भी कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में जीत होने पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया जीतेगा।

जन आक्रोश यात्रा की तरह परिवर्तन यात्रा भी फेल

पायलट ने प्रदेश में भाजपा की परिवर्तन यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राजस्थान में उल्टा है। भाजपा यहां विपक्ष में है और उस भूमिका को निभा नहीं पा रही है। अब थक हार कर यात्रा शुरू की है। पहले जन आक्रोश यात्रा शुरू की थी जिसमें जनता नहीं थी। अब परिवर्तन यात्रा कर रही है। यहां पर भी भाजपा में सिर फुटव्वल मचा है और संघर्ष बहुत ज्यादा है। अब भाजपा नेता इस बात से संतोष ले रहे हैं कि हर पांच साल में सरकार बदल जाती है। मैं ऐसा मानता हूं कि इस बार इस परिपाटी को हम तोड़ने जा रहे हैं। पायलट ने कहा कि सब लोग मानते हैं कि इस बार भाजपा विपक्ष के रूप में सदन और सदन के बाहर नाकाम रही है और अब उसकी परिवर्तन यात्राओं में जनता का अभाव इस बात का प्रमाण है कि जनता भाजपा पर विश्वास नहीं करती।

सरकार और संगठन मिलकर कर रहे काम

पायलट ने कहा कि राजस्थान में जिस प्रकार से सरकार और संगठन सब मिलकर काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यहां दोबारा सरकार कांग्रेस पार्टी की बनेगी। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। सब दोबारा सरकार बनाने के मेहनत कर रहे हैं। जनता से भी अच्छा फीडबैक मिल रहा है।

भाजपा की हिंदू-मुसलमान चाल जनता अच्छे से समझ चुकी

पायलट ने कहा कि भाजपा वाले उम्मीद करते हैं कि राममंदिर के नाम पर, हिंदू-मुसलमान के नाम पर हम सत्ता में आ जाएंगे, लेकिन लोग अब समझ गए हैं। शुरुआत में तो लोग भ्रमित हो जाते थे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलगांना में भाजपा अच्छा प्रदर्शन करेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)